वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 217 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शनिवार 24 अक्टूबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

बिहार में चुनावी पारा गरम, प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी मैदान में उतरे

धारा 370 व कृषि बिलों के फैसलों पर देश पीछे नहीं हटेगा: पीएम मोदी

(विशेष संवाददाता)

रोहतास /भागलपुर, 23 अक्तूबर । बिहार में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुछेद 370 और कृषि संबंधी तीन नये कानूनों पर कांग्रेस सहित विपक्ष के रुख की कड़ी आलोचना की और कहा कि देश अपने फैसलों से पीछे नहीं हटेगा। मोदी ने आरोप लगाया कि विरोधी दल जब किसानों के लिए कुछ कर नहीं पाए तो अब किसानों से लगातार झूठ बोलने में जुट गए हैं और आज कल ये लोग न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर अफवाहें फैला रहे हैं जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने ही एमएसपी बढ़ाने की कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री ने रोहतास, गया भागलपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए कहा, देश जहां संकट का समाधान करते हुए आगे बढ़ रहा है, ये लोग देश के

हर संकल्प के सामने रोड़ा बनकर खड़े हैं।'' उन्होंने कहा कि देश ने किसानों को बिचौलियों और दलालों से मुक्ति दिलाने का फैसला लिया तो ये बिचौलियों और दलालों के पक्ष में खुलकर मैदान में हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, मंडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य तो बहाना है, असल में दलालों और बिचौलियों को बचाना है।'' मोदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले जब किसानों के बैंक खाते में सीधे पैसे देने का काम शुरू हुआ था, तब इन्होंने कैसा भ्रम फैलाया था। कांग्रेस पर परोक्ष प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि जब राफेल विमानों को खरीदा गया, तब भी ये बिचौलियों और दलालों की भाषा बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह राजग की ही सरकार है जिसने किसानों को लागत का डेढ़ गुना एमएसपी देने की सिफारिश लागू की और सरकारी खरीद केंद्र बनाने और सरकारी खरीद, दोनों पर बहुत जोर दिया। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब ये लोग सरकार में थे, उसकी तुलना में बिहार में ही धान की सरकारी खरीद चार गुना और गेहूं की सरकार खरीद पांच गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा, इनके पास आज तक इसका जवाब नहीं है कि जब इनकी सरकार थी तब एमएसपी पर फैसला क्यों नहीं लिया? उन्होंने कहा, जबजब, बिचौलियों और दलालों पर चोट की जाती है, तबतब ये तिलमिला जाते हैं, बौखला जाते हैं। आज हालत ये हो गई है कि ये लोग भारत को कमजोर करने की साजिश रच रहे लोगों का साथ देने से भी नहीं हिचकिचाते।'' प्रधानमंत्री ने कहा, जम्मू कश्मीर से अनुछेद 370 हटने का इंतजार देश बरसों से कर रहा था या नहीं?

राहुल का प्रधानमंत्री से सवाल: चीनी सैनिकों को हिन्दुस्तान की जमीन से कब भगाया जायेगा

(विशेष संवाददाता)

नवादा (बिहार), 23 अक्टूबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ जारी गतिरोध के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शुक्रवार को सवाल किया कि हिन्दुस्तान की जमीन से चीनी सैनिकों को कब भगाया जायेगा। साथ ही कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि किसी चीनी सैनिक के हिन्दुस्तान की जमीन पर मौजूद होने की बात कहकर प्रधानमंत्री ने हमारे सैनिकों का अपमान' किया है। राहुल गांधी ने बिहार के नवादा और कहलगांव में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, हाल ही में बनाए गए कृषि संबंधी तीन कानून, जीएसटी, लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों का पलायन और नोटबंदी सहित विभिन्न मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कटघरे में

खड़ा करने का प्रयास किया। राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव के साथ नवादा की रैली को संबोधित कर रहे राहुल ने बिहार में बेरोजगारी का मुद्दा भी उठाया। इस मुद्दे पर केंद्र और बिहार की राजग सरकार को घेरते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना वायरस संकट के समय लोगों की आर्थिक मदद नहीं कर किसानों, छोटे कारोबारियों, मजदूरों, छोटे उद्यमियों की कमर तोड़ दी है। राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत में ही लोगों से पूछा, नीतीश जी की सरकार कैसी लगी आप लोगों को? मोदी जी के भाषण कैसे लगे?'' कांग्रेस नेता ने कहा मोदी जी ने कहा है कि बिहार के जो हमारे सैनिक शहीद हुए, उनके सामने वह अपना सिर झुकाते हैं..... पूरा देश बिहार के शहीदों के सामने सिर झुकाता है। '' उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने यह नहीं कहा कि वे चीन को भारत की शक्ति दिखाने जा रहे हैं। चीन ने हिन्दुस्तान की 1200 वर्ग किलोमीटर जमीन अपने कब्जे में ले रखी है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को घेरने का प्रयास करते हुए आरोप लगाया, चीन की सेना हिदुस्तान की सीमा के अंदर है। सवाल ये है कि जब चीनी सैनिक हमारी जमीन के अंदर आए, तो हमारे प्रधानमंत्री ने हमारे वीरों का अपमान करते हुए यह क्यों बोला कि हिदुस्तान के अंदर कोई नहीं आया?''

पानी की बर्बादी करने पर अब होगी 5 साल की सजा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । पानी की बर्बादी करने वालों को अब सावधान रहने की जरूरत है। कोई भी व्यक्ति और सरकारी संस्था यदि भूजल स्रोत से हासिल होने वाले पीने योग्य पानी (पोटेबल वाटर) की बर्बादी या बेवजह इस्तेमाल करता है तो यह एक दंडात्मक अपराध माना जाएगा। इससे पहले भारत में पानी की बर्बादी को लेकर दंड का कोई प्रावधान नहीं था।

घरों की टंकियों के अलावा कई बार टैंकों से जगहजगह पानी पहुंचाने वाली नागरिक संस्थाएं भी पानी की बर्बादी करती है। सीजीडब्ल्यूए के नए निर्देश के अनुसार पीने योग्य पानी का दुरुपयोग भारत में 1 लाख रुपये तक के जुर्माना और 5 साल तक की जेल की सजा के साथ दंडनीय अपराध होगा।

सीजीडब्ल्यूए ने पानी की बर्बादी और बेवजह इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए 08 अक्तूबर, 2020 को पर्यावरण (संरक्षण) कानून, 1986 की धारा पांच की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए प्राधिकरणों और देश के सभी लोगों को संबोधित

करते हुए अपने आदेश में कहा है कि इस आदेश के जारी होने की तारीख से संबंधित नागरिक निकाय जो कि राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में पानी आपूर्ति नेटवर्क को संभालती हैं और जिन्हें जल बोर्ड, जल निगम, वाटर वर्क्स डिपार्टमेंट, नगर निगम, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, पंचायत या किसी भी अन्य नाम से पुकारा जाता है, वो यह सुनिश्चित करेंगी कि भूजल से हासिल होने वाले पोटेबल वाटर यानी पीने योग्य पानी की बर्बादी और उसका बेजा इस्तेमाल नहीं होगा। इस आदेश का पालन करने के लिए सभी एक तंत्र विकसित करेंगी और आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक उपाय किए जाएंगे। देश में कोई भी व्यक्ति भूजल स्रोत से हासिल पीने योग्य पानी का बेवजह इस्तेमाल या बर्बादी नहीं कर सकता है।

2318 कैदियों को आत्मसमर्पण करने का निर्देश, अब छूट नहीं

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर । कोरोना महामारी के मद्देनजर कैदियों को दी गई अंतरिम जमानत/पैरोल की अवधि अब और नहीं बढ़ाई जाएगी। उच्च न्यायालय ने 25 मार्च 2020 के अपने उस आदेश को वापस ले लिया है, जिसके तहत कोरोना महामारी के चलते अंतरिम जमानत और पैरोल की अवधि समयसमय पर बढ़ाई गई थी। न्यायालय ने अंतरिम जमानत पर चल रहे गंभीर अपराधों में आरोपी 2318 विचाराधीन कैदियों को 2 नवंबर से 13 नवंबर के बीच संबंधित जिला अदालतों में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। ये सभी जिला अदालतों से अंतरिम जमानत पाकर फिलहाल जेल से बाहर हैं। मुख्य न्यायाधीश डी.एन. पटेल, सिद्धार्थ मृदुल और तलवंत सिंह की विशेष पीठ ने कहा कि उसके 25 मार्च के आदेश के आधार पर इन विचाराधीन कैदियों की अंतरिम जमानत की अवधि नहीं बढ़ाई जाएगी। हालांकि उच्च न्यायालय ने इन कैदियों को संबंधित अदालत में अपनी अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने के लिए अर्जी दाखिल करने की छूट दी है। इसके साथ ही निचली अदालत को तथ्यों के आधार पर कैदियों की अर्जी पर विचार करने और समुचित निर्णय लेने को कहा है। उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा था कि महामारी के मद्देनजर कैदियों को दी गई अंतरिम जमानत और पैरोल की अवधि बढ़ाने वाले आदेश को अब खत्म करना चाहिए क्योंकि राजधानी की जेलों में संक्रमितों की संख्या महज 3 रह गई है। न्यायालय ने यह टिप्पणी उस अर्जी पर सुनवाई के दौरान की थी जिसमें 13 जुलाई और 24 जुलाई के आदेशों को वापस लेने/संशोधित करने की मांग की गई है। इससे पहले, पीठ के समक्ष जेल महानिदेशक ने कहा था कि तिहाड़, रोहिणी और मंडोली जेलों की क्षमता 10 हजार कैदियों की है, जबकि अभी इनमें 15 हजार 900 कैदी बंद हैं। वहीं, न्यायालय के आदेश के मद्देनजर समयसमय पर अंतरिम जमानत या पैरोल की अवधि बढ़ाने के चलते 6700 कैदी जेल से बाहर हैं।

कपिल देव को दिल का दौरा पड़ा, एंजियोप्लास्टी की गयी

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 23 अक्टूबर । भारत के पहले विश्व कप विजेता क्रिकेट कप्तान कपिल देव की दिल का दौरा पडने के बाद शुक्रवार को एंजियोप्लास्टी की गयी और अगले दो दिन में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। इस महान क्रिकेटर ने इंस्टाग्राम पर बयान में लिखा, वह उबरने की प्रक्रिया में हैं।

दिल्ली के सुंदर नगर में रहने वाले कपिल (61 वर्ष) को गुरूवार को सीने में दर्द की शिकायत के बाद यहां ओखला के फोर्टिस एस्कोर्ट्स हार्ट इंस्टिट्यूट के आपात विभाग में ले जाया गया। अस्पताल ने अपने शुरूआती बयान में सिर्फ सीने में दर्द का ही जिक्र किया था, लेकिन फिर ताजा स्वास्थ्य बुलेटिन में कहा, कपिल देव को दिल का दौरा पड़ा था। उनकी जांच की गयी और रात में ही आपात कोरोनरी एंजियोप्लास्टी की गयी।'' इसके अनुसार, इस समय वह डा. अतुल माथुर और उनकी टीम की देखरेख में आईसीयू में हैं। उनकी हालत स्थिर है।

उन्हें दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है।'' एंजियोप्लास्टी ब्लॉक' हुई धमनियों को खोलने की प्रक्रिया है ताकि हृदय में सामान्य रक्त संचार हो सके। बाद में उनके इंस्टाग्राम अकाउंट में उनके स्वास्थ्य के प्रति चिता करने वालों और उनके परिवार के प्रति समर्थन जताने वालों के प्रति एक संक्षिप्त बयान में आभार व्यक्त किया गया।

बयान के अनुसार, आप सभी का शुक्रिया। मैं आपकी शुभकामनाओं से अभिभूत हूं और उबरने की प्रक्रिया में हूं। '' सोशल मीडिया पर काफी लोगों ने 1983 विश्व विजेता महान आल राउंडर के तेजी से उबरने की कामना की जिसमें भारतीय कप्तान विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर सहित अन्य खिलाड़ी शामिल हैं। दिग्गज बल्लेबाज तेंदुलकर ने कहा, अपना ध्यान रखें। आपके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहा हूं।'' कोहली ने ट्वीट किया, आपके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना कर रहा हूं। जल्दी ठीक हो जाइये पाजी।'' भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन ने ट्वीट किया, कपिल देव सर आपके जल्दी से ठीक होने की कामना करता हूं। हमेशा मजबूत रहिये।

नौसेना ने अपनी तैयारियों का किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर । भारत के रणनीतिक समुद्री क्षेत्र में नौसेना ने युद्ध के लिए अपनी तैयारियों का प्रदर्शन करते हुए एक पोतरोधी मिसाइल से एक जहाज को नष्ट कर दिया। अरब सागर में किए गए इस अभ्यास में मिसाइल का निशाना ''बेहद सटीक'' था। भारतीय नौसेना ने इसका एक वीडियो शुक्रवार को जारी किया। विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य और कई युद्धपोतों, लड़ाकू हेलीकॉप्टरों, विमानों और नौसेना के अन्य उपकरणों को शामिल करने वाले एक व्यापक नौसेना अभ्यास के दौरान इस मिसाइल को 'फ्रंटलाइन कोरवेट आईएनएस प्रबल' से दागा गया । भारतीय नौसेना के एक प्रवक्ता ने ट्वीट किया कि मिसाइल ने अपने लक्ष्य पर अपनी अधिकतम रेंज के साथ सटीकता से वार किया। उन्होंने कहा, '' भारतीय नौसेना के 'फ्रंटलाइन कोरवेट आईएनएस प्रबल' द्वारा दागी गई पोत विरोधी मिसाइल ने अपने लक्ष्य पर अधिकतम रेंज के साथ सटीकता से वार किया।'' भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह ने बृहस्पतिवार को नौसेना के 'कैरियर बैटल ग्रुप' के चुनिंदा अधिकारियों को आईएनएस विक्रमादित्य से किये गए ।

पुलिस थाने में महिलाओं के लिए बनेंगे सीक्रेट रूम

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 23 अक्टूबर । मिशन शक्ति अभियान के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को हर थाने में एक सीक्रेट रूम' बनवाने के निर्देश दिए जो पूरी तरह से पारदर्शी व सभी बुनियादी सुविधाओं से लैस होंगे। इसमें पीड़ित महिला, महिला पुलिस कर्मी से बिना संकोच अपनी बात कह सकेंगी। यही नहीं महिला हेल्प डेस्क या सीक्रेट रूम' में दिखने वाली किसी जगह पर वह सारे नंबर (1090, 181, 112,1076,1098, और 102) लिखें रहेंगे जिन पर कोई महिला जरूरत पर मदद के लिए कॉल कर सके। नंबरों के साथ इनका दुरुपयोग करने वालों के लिए चेतावनी भी अनिवार्य रूप से अंकित की जाएगी।

एक सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री शुक्रवार को यहां मिशन शक्ति'अभियान के तहत प्रदेश के सभी 1,535 थानों पर स्थापित होने वाले महिला हेल्प डेस्क की डिजिटल शुरूआत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के सम्मान को संस्कार बनाना होगा, इसके लिए मिशन शक्ति के इस कार्यक्रम को स्कूलों, कॉलेजों और अन्य संस्थाओं तक भी ले जाएं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हफ्ते भर के मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान बहुत कुछ बदला है,पुलिस विभाग ने इस दौरान बेहतर काम किया है। अभियान से जुड़े अन्य विभागों की गतिविधियों, भावी कार्ययोजना की समीक्षा मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय करें। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति के इस कार्यक्रम को व्यापक संदर्भों में लें, यह महिलाओं के प्रति लोगों की सोच और संस्कार बदलने वाला अभियान है। ऐसा तभी होगा जब अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ेंगे। किसी भी अभियान से जब शासन एवं प्रशासन के साथ समाज भी जुड़ता है तो नतीजे बेहतर होते हैं।

24 घंटे में कोरोना के 54366 नए मामले सामने आए, 690 लोगों की हुई मौत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । भारत में कोविड.19 के दैनिक नए मामले लगातार पांचवें दिन 60000 से नीचे रहे। 24 घंटे के अंतराल में 54366 नए मामले सामने आने से देश में संक्रमण के कुल मामले शुक्रवार को बढ़कर 7761312 हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसारए एक दिन में कुल 54366 नए मामले सामने आएए जबकि 690 और मौतें होने से देश में इस महामारी में मरने वालों की संख्या 117306 हो गई। देश में कुल 6948497 लोगों ने अब तक इस बीमारी से निजात पाई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर अब 89।53 प्रतिशत तक हो गई है जबकि मृत्यु दर 1।51 प्रतिशत है। भारत में कोविड.19 मामलों की संख्या 7 अगस्त को 20 लाखए 23 अगस्त को 30 लाखए 5 सितंबर को 40 लाखए 16 सितंबर को 50 लाखए 28 सितंबर को 60 लाख और 11 अक्टूबर को 70 लाख के पार हो गई थी। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ;आईसीएमआरद्ध के अनुसारए बृहस्पतिवार को 1442722 नमूनों की जांच होने के साथ 22 अक्टूबर तक कुल 100113085 नमूनों की जांच हो चुकी है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता और खराब, सांस लेना मुश्किल

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली , 23 अक्टूबर । राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता में और अधिक गिरावट के बाद कई क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। सरकारी एजेंसियों ने पूर्वानुमान व्यक्त किया है कि आगामी दो दिनों में वायु गुणवत्ता और खराब होगी।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक अत्यंत खराब' श्रेणी में है जो शुक्रवार सुबह 374 और शाम के समय 366 दर्ज किया गया। एक दिन पहले यह 302 था। पृथ्वी विज्ञान की वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली सफर' के मुताबिक दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब' श्रेणी में है। उल्लेखनीय है कि 0 और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बेहद खराब'तथा 401 और 500 के बीच गंभीर'माना जाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से विकसित

समीर'ऐप के अनुसार दिल्ली में 10 निगरानी केंद्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया है। अलीपुर में यह सूचकांक 447, शादीपुर में 441, मुंडका में 419, वजीरपुर में 432, आनंद विहार में 405, बवाना में 413, विवेक विहार में 422, रोहिणी में 401, जहांगीरपुरी में 418 और पटपडग़ंज में 405 दर्ज किया गया। सफर के अनुसार दिल्ली क्षेत्र में हवा की गति बहुत शांत है और अगले दो दिन तक भी इसके ऐसे ही रहने का पूर्वानुमान है। सफर ने कहा, ऐसा पूर्वानुमान है कि 24 और 25 अक्टूबर को वायु गुणवत्ता अत्यंत खराब' के उचतम स्तर और यहां तक कि गंभीर' श्रेणी में पहुंच सकती है।'' सफर ने बताया कि हरियाणा, पंजाब और पड़ोसी क्षेत्रों में पराली जलाने की घटनाओं में काफी इजाफा हुआ है और बृहस्पतिवार को इनकी संख्या 1,213 थी। हवा की गति अभी प्रदूषक तत्वों को दिल्ली की तरफ धकेलने के लिए बहुत ज्यादा अनुकूल नहीं है। आज पराली से दिल्ली में पीएम 2.5 का योगदान 17 फीसदी दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि वायु की गुणवत्ता में और गिरावट दर्ज हो सकती है । क्योंकि पीएम 10 और पीएम 2.5 कणों की संख्या हवा में बढ़ रही है। पीएम 10 का व्यास 10 माइक्रोमीटर से कम होता है और पीएम का 2.5 माइक्रोमीटर से कम होता है। ये हवा में मौजूद बेहद सूक्ष्म प्रदूषक कण होते है। आईएमडी के अतिरिक्त महानिदेशक आनंद शर्मा ने पीटीआईभाषा' से बृहस्पतिवार को कहा, वायु गुणवत्ता आगामी दो दिनों में यानी 24 अक्टूबर तक और खराब होगी। पराली जलाने के अलावा अन्य कारक भी हैं, जिससे वायु गुणवत्ता खराब हो रही है। इनमें वाहन प्रदूषण और अपशिष्टों को जलाना भी शामिल है।'' दिल्ली सरकार ने वाहनों से होने वाले प्रदूषण के बारे में जागरूकता लाने के लिए रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान शुरू किया है जिसके लिए इसने दिल्ली में 100 ट्रैफिक सिग्नलों पर 2,500 पर्यावरण मार्शल तैनात किए हैं। इस अभियान को दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में 26 अक्टूबर से क्रियान्वित किया जाएगा जो 15 नवंबर तक चलेगा। अभियान की अवधि सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक की होगी। सरकार ने कहा है कि यह एक जागरूकता कार्यक्रम है और इसके लिए किसी तरह का चालान नहीं काटा जाएगा।

FATF का बड़ा फैसला, ग्रे लिस्ट ही बना रहेगा पाक, आतंकी सरगनाओं पर करनी ही होगी कार्रवाई

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । पाकिस्तान एफएटीएफ के जाल में पूरी तरह से फंस चुका है। अगर उसे फाइनेंसिएल एक्शन टास्क फोर्स की निगरानी सूची से बाहर निकलना है तो भारत में आतंकी वारदात को अंजाम देने वाले आतंकियों जैसे दाउद इब्राहिम, जकीउररहमान लखवी, जैश सरगना मौलाना मसूद अजहर और लश्कर सरगना हाफिज सईद और इनके सहयोगियों के समूचे अर्थ तंत्र को खत्म करना होगा और इसके सबूत अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के सामने रखने होंगे।

आतंकी फंडिंग रोकने व गैर कानूनी तरीके से नकदी हस्तांतरण पर लगाम लगाने के लिए गठित एफएटीएफ ने शुक्रवार को कहा है कि पाकिस्तान अभी निगरानी सूची (ग्रे लिस्ट) में बना रहेगा। इससे बाहर निकलने के लिए इमरान खान सरकार को फरवरी, 2021 तक छह महत्वपूर्ण कार्यों को अंजाम देना होगा।

इन छह कार्यों में यह भी शामिल है कि पाकिस्तान हर तरह की आतंकी फंडिंग पर रोक लगाने की पुख्ता व्यवस्था करे। एफएटीएफ ने पाक सरकार को 27 कार्य सौंपे थे। पाकिस्तान सरकार ने इनमें से 21 कार्य पूरे कर इसकी रिपोर्ट भी सौंप दी है। एफएटीएफ ने इसके लिए पाक सरकार की तारीफ भी की है। लेकिन शेष बचे छह कार्य ऐसे हैं जो सबसे महत्वपूर्ण हैं। इनमें पहला कार्य यह है कि पाकिस्तान सरकार की एजेंसियां आतंकी संगठनों की फंडिंग रोकने की हर मुमकिम कोशिश करें। आतंकी संगठनों व आतंकियों के खिलाफ तमाम मामलों की जांच करें। दूसरा कार्य है आतंकी फंडिंग से जुड़े मामलों की जांच के बाद प्रभावशाली तरीके से प्रतिबंध लगाये जाएं। तीसरा कार्य है पाकिस्तान सरकार संयुक्त राष्ट्र की तरफ से 1267 व 1373 प्रावधानों के तहत घोषित आतंकियों व इनकी तरह से काम करने वाले आतंकियों के खिलाफ संपूर्ण तरीके से वित्तीय प्रतिबंध लगाने की व्यवस्था करे।

एक नजर

कांग्रेस नेत्री गीता बेदी की कोरोना से मौत

नई दिल्ली। सीमापुरी विधान सभा क्षेत्र से कांग्रेस नेत्री गीता कुमारी का कोरोना की चपेट में आने निधन हो गया। पिछले कई दिनों से गीता कुमारी गुरु तेग बहादुर अस्पताल में उपचाराधीन थी। कल उनका देहांत हो गया। गीता कुमार कांग्रेस की ओर से पिछला नगर निगम चुनाव लड़ी थी। उनके पति वेदप्रकाश बेदी ब्लॉक कांग्रेस सीमा पुरी के अध्यक्ष है। वे अपने पीछे दो पुत्र छोड़ गयी हैं। पूर्व जोन चेयरमैन चैधरी अजित सिंह तथा बाबरपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश जैन नें उनके निधन पर शौक व्यक्त करते हुए कहा वे एक सामाजिक महिला थी जो पार्टी के प्रति पूरी निष्ठा के साथ समर्पित थी। उनके निधन से कांग्रेस पार्टी नें एक समर्पित कार्यकर्ता को खो दिया है। जिसकी भरपाई होना मुश्किल है। उनकी पुष्पांजलि सभा कल 23 अक्टूबर को की जाएगी,दिल्ली पदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मुदित अग्रवाल नें भी गीता कुमारी के निधन पर शौक जताते उन्हें एक कर्मठ महिला नेत्री बताया। पूर्व जोन चेयरमैन ईश्वर सिंह बागड़ी भारत कौशिक,मुकेश पांचाल विनोद राणा, मांगे राम भारद्वाज सहित कई अन्य लोगो नें उनके निधन को पार्टी के लिए अपूर्णीय क्षति बताया।

महिलाओं के सूट चुराकर बेचने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। महिलाओं के सूट चोरी कर ओखला मंडी के नजदीक फुटपाथ पर बेचने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित युवक को सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की मदद से पकड़ा गया। उसकी पहचान सुल्तान मंसूरी के तौर पर हुई। पुलिस ने उसके पास से महिलाओं के 176 सूट बरामद किए हैं। दक्षिण पूर्वी जिले के एडिशनल डीसीपी कुमार ज्ञानेश ने बताया कि 22 अक्टूबर को अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र के मोहम्मद रजनीश ने गढ़ी स्थित दुकान में चोरी होने की शिकायत दी। पीड़ित ने बताया कि वह महिलाओं के नए सिले हुए सूट को प्रेस करने का काम करता है। उसकी दुकान से 200 सूट चोरी हो गए। अमर कॉलोनी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस टीम ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज का जांच की तो एक शख्स पैदल ही सूट लेकर जाते नजर आया। आरोपित को उसके घर से ही पकड़ लिया गया, जिसके यहां से 176 सूट बरामद हो गए।

नया आदेश जारी, प्रो पीसी जोशी होंगे कार्यकारी कुलपति

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यकारी कुलसचिव की नियुक्ति से उपजा विवाद फिलहाल थमता नहीं नजर आ रहा। गुरुवार रात केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा नोटिस जारी करने के बाद एक समय ऐसा लगा कि शायद अब विवाद पर विराम लग जाए लेकिन ऐसा हुआ नहीं। गुरुवार रात ही कार्यकारी परिषद की बैठक में कुलसचिव चुने गए डॉ विकास गुप्ता ने एक आदेश जारी किया। जिसमें उन्होने कहा कि कार्यकारी कुलपति प्रो पीसी जोशी हैं। विवि से संबंधित कोई भी आदेश बिना उनकी सहमति के पारित नहीं होगा। बिना उनके हस्ताक्षर यदि कोई आदेश जारी हुआ है तो वो अमान्य है। यहां उनका निशाना कुलपति द्वारा कार्यकारी कुलसचिव नियुक्त किए गए प्रो पीसी झा पर था। आदेश के चंद घंटे बाद ही प्रो पीसी झा ने भी शिक्षा मंत्रालय को एक पत्र भेजा। यह पत्र डिप्टी सेक्रेटरी बीरेंद्र कुमार सिंह के नाम था। जिसमें कहा गया कि मंत्रालय ने गुरुवार रात जारी एक नोटिस में विकास गुप्ता को कुलसचिव संबोधित किया था। प्रो पीसी झा को निदेशक दक्षिणी कैंपस के साथ कुलसचिव का कार्यभार सौंपा है। यही नहीं डॉ गीता भट्ट को प्रो पीसी जोशी की जगह कार्यकारी कुलपति नियुक्त किया गया है।

दिल्ली के सभी 272 वार्डो में 'रेड लाइट ऑन, गाडी ऑफ' अभियान चलेगा

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बाराखंभा रोड के ट्रैफिक सिग्नल पर दिल्ली के पार्षदों के साथ 'रेड द्बलाइट ऑन, गाडी ऑफ' अभियान में भाग लिया

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर । पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज दिल्ली के सभी पार्षदों के साथ 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' महा अभियान के तहत बारहखंभा रोड के ट्रैफिक सिग्नल पर वाहन चालकों को जागरूक किया।

रेड लाइट ऑन होने पर उन्होंने लोगों से अपने वाहन बंद करके वाहन प्रदूषण को कम करने में योगदान करने की अपील की और इससे होने वाले फायदे भी बताए। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने 2 नवंबर को एमसीडी के सभी 272 वार्डों में 'रेड लाइट ऑन, गाडी ऑफ' अभियान शुरू करने का फैसला किया। 26 अक्टूबर को यह अभियान दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में शुरू किया जाएगा। दिल्ली सरकार प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए दिल्ली के 13 प्रदूषण केंद्रों पर भी लगातार निगरानी कर रही है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान को ले कर लोगों में उत्साह साफ दिख रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए

दिल्ली सरकार की तरफ से करीब 2500 पर्यावरण मॉर्शल लगाए गए हैं। यह मॉर्शल हर चैराहों पर लगाए गए हैं, जो अपना काम कर रहे हैं। आज दिल्ली के सभी पार्षदों ने बारहखंभा रोड के ट्रैफिक सिग्नल पर लोगों को जागरूक करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली सरकार चैतरफा काम कर रही है। 26 अक्टूबर से दिल्ली के सभी 70 विधान सभा में विधायकों के साथ इस अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे दिल्ली के लोगों में प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता लाई जा सके और वे सक्रिय रूप से स्वैच्छा से पर्यावरण के संरक्षण के प्रति सचेत हो सकें। इसके अलावा, 2 नवंबर को 272 वार्डों में यह अभियान चलाया जाएगा। जिससे कि अधिक से अधिक लोगों तक अभियान को पहुंचाया जा सके और दिल्ली के दो करोड़ों लोगों को प्रदूषण के विरुद्ध युद्ध में शामिल किया जा सके। गोपाल राय ने लोगों से अपील की कि इस महाअभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने आगे कहा कि रेड लाइट पर गाड़ी का इंजन अगर लोग बंद करते हैं, तो इससे 15 से 20 फिसदी तक वाहन प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की तरफ से जमीनी स्तर पर कार्य चल रहा हैं। हमारे 13 हॉट स्पॉट हैं, उनकी नजदीकी से निगरानी की जा रही है। पराली की समस्या का निस्तारण करने के लिए बॉयो डीकंपोजर घोल कर छिड़काव किया जा रहा है।

अभी तक दिल्ली के अंदर लगभग एक हजार एकड़ क्षेत्र में इसका छिड़काव पूरा हो चुका है। रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान धीरेधीरे पूरी दिल्ली के अंदर फैल रहा है। 26 अक्टूबर से 70 विधानसभाओं में और 2 नवंबर से 272 वार्डों में अभियान शुरू कर रहे हैं। धीरेधीरे पूरी दिल्ली इस अभियान से जुड़ रही है और हम दिल्ली के अंदर का जो प्रदूषण है, उससे निपट रहे हैं।

अधिक जांच से कोविड के विरुद्ध लड़ाई हुई मजबूतः हर्षवर्धन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर । केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कोरोना वायरस जांच का आंकड़ा 10 करोड़ को पार करने पर कहा कि जांच की रफ्तार में आई अभूतपूर्व तेजी कोविड19 के विरुद्ध लड़ाई को और मजबूती दे रही है। डा. हर्षवर्धन ने शुक्रवार को ट्वीट किया, 'देश ने पार किया 10 करोड़ कोरोना जांच का आंकड़ा! कोविड के संक्रमण को नियंत्रित करने में जांच की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कोरोना जांच की रफ्तार में आई अभूतपूर्व तेजी कोविड19 के विरुद्ध लड़ाई को और मजबूती दे रही है।'

गौरतलब है कि विश्व में कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित देशों की सूची में भारत दूसरे स्थान पर है और इसकी रोकथाम के लिये जांच पर जोर दिया जा रहा है। देश में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिये अधिक से अधिक जांच कर संक्रमितों का पता लगाने की मुहिम में 22 अक्टूबर को लगातार दूसरे दिन 14 लाख से अधिक जांच की गई और कुल परीक्षण का आंकड़ा दस करोड़ को पार कर गया। अक्टूबर माह में एक दिन में तीसरी बार 14 लाख से अधिक जांच की गई। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की तरफ से 23 अक्टूबर को जारी आंकड़ों में बताया गया कि देश में 22 अक्टूबर तक कोरोना वायरस नमूनों की कुल जांच का आंकड़ा 10 करोड़ एक लाख 13 हजार 85 पर पहुंच गया। इसमें से 14 लाख 42 हजार 722 जांच 22 अक्टूबर को की गई। देश में प्रति दस लाख की आबादी पर कोरोना जांच का औसत 72 हजार 441 पर पहुंच गया है। बाईस अक्टूबर के आंकड़ों में एक दिन में 14 लाख 69 हजार 984 जांच की गई थी। इससे पहले एक अक्टूबर के आंकड़े में 14 लाख 23 हजार 52 जांच की गई थी। कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के लिये देश में दिन प्रतिदिन इसकी अधिक से अधिक जांच की मुहिम में 24 सिंतबर को एक रोज में 14 लाख 92 हजार 409 नमूनों की रिकॉर्ड जांच की गई थी।

मास्क कोरोना संक्रमण के साथ प्रदूषण से भी करेगा रक्षाः डॉ. नवीन

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण का खतरा टला नहीं है, लोगों को ये बात समझाने और उन्हें नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए बृहस्पतिवार को दक्षिणपश्चिमी जिला उपायुक्त डॉ. नवीन अग्रवाल ने कापसहेड़ा स्थित जिला उपायुक्त कार्यालय से एक जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये जागरूकता वाहन जिले के तीनों उपमंडल के विभिन्न व्यस्त इलाकों में जाकर लोगों को जागरूक करेगा। उपायुक्त ने बताया कि रोजाना कोरोना संक्रमण के नएनए मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन लोगों में संक्रमण के प्रति डर घट रहा है। लोगों को समझने की जरूरत है जब तक वैक्सीन तैयार नहीं होती है तब तक मास्क, दो गज की दूरी व हाथों को साबुन व सैनिटाइजर से साफ करना जरूरी है। सर्दियों की वजह से प्रदूषण स्तर बढ़ गया है, ऐसे में मास्क लगाकर लोग प्रदूषण के दुष्प्रभाव से भी खुद को सुरक्षित रख सकते है। स्वस्थ रूप से परिवार के साथ मिलजुलकर त्योहार मनाना चाहते हैं तो स्वास्थ्य विभाग के नियमों का पालन भी करना होगा।

वेतन न मिलने पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर गए हिंदू राव अस्पताल के डॉक्टर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर । दिल्ली में एनडीएमसी मेडिकल कॉलेज और हिंदू राव अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने वेतन न मिलने के खिलाफ आज से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। डॉक्टरों का कहना है कि जब तक उन्हें पूरा वेतन नहीं मिल जाता, तब तक भूख हड़ताल जारी रहेगी। बीते कई दिनों से अपने लंबित वेतन को लेकर आंदोलन कर रहे उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) के अधीन आने वाले हिंदू राव अस्पताल के डॉक्टर शुक्रवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर चले गए हैं।

इससे पहले एनडीएमसी के कुछ अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टरों गुरुवार को हाथों में काले पट्टे बांधकर नारेबाजी करते हुए जंतर मंतर पर एक संयुक्त विरोध प्रदर्शन किया था। मास्क पहने, हिंदू राव अस्पताल, कस्तूरबा अस्पताल और राजन बाबू टीबी अस्पताल के डॉक्टरों ने उच्च अधिकारियों से अपील की थी कि वे हस्तक्षेप करें और सैलरी के संकट को जल्द से

जल्द हल करें। हाल ही में, इन तीन अस्पतालों के कई रेजिडेंट डॉक्टरों ने जंतरमंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था और उसके बाद कैंडल मार्च भी निकाला था।

हिंदू राव अस्पताल के आरडीए अध्यक्ष अभिमन्यु सरदाना ने कहा कि हम इस मुद्दे को उठातेउठाते अब थक गए हैं, लेकिन अब भी कोई समाधान नहीं हुआ है। हम सिर्फ अपना वेतन चाहते हैं, जो हमारा मूल अधिकार है। डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें जुलाई महीने से वेतन नहीं मिला है। कोरोना महामारी के इस संकट में अपनी जान जोखिम में डालकर सेवाएं दे रहे स्वास्थ्य कर्मचारियों को जुलाई महीने से वेतन नहीं मिला है। ऐसे में उन्हें परिवार चलाने में अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

लॉकडाउन में पैदल चलने वाले मजदूरों की बात गोल कर गए प्रधानमंत्रीः कांग्रेस

नयी दिल्ली, 23 अक्टूबर । कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली जनसभा के बाद शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अपने भाषण में 'अनियोजित लॉकडाउन' के समय पैदल चल कर घर पहुंचने वाले मजूदरों की बात गोल कर गए। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, '' माननीय मोदी जी, मोदी सरकार के अनियोजित लॉकडाउन में हजारों किलोमीटर पैदल चल कर बिहार आए प्रवासी मजदूरों की बात गोल कर गए। पांव में छाले, भूखे प्यासे। आपकी सरकार से लठियां खाई अलग से।'' उन्होंने दावा किया, ''जुमला फेंक कर सोचते हैं, सब पाप धूल गए। मजदूर और बिहार सब याद रखेंगे।'' गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहली रैली को रोहतास में संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 370 और कृषि संबंधी तीन

नये कानून पर कांग्रेस सहित विपक्ष के रुख की कड़ी आलोचना की और साथ ही साफ शब्दों में कहा कि देश अपने फैसलों से पीछे नहीं हटेगा । प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा, ''देश, जहां संकट का समाधान करते हुए आगे बढ़ रहा है, ये लोग देश के हर संकल्प के सामने रोड़ा बनकर खड़े हैं।''

नेशनल ट्रीटमेंट योजना से प्लाज्मा थेरेपी की हो सकती है वाय-वाय

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर । कोविड19 के लिए प्लाज्मा थेरेपी को शीघ्र ही नेशनल ट्रीटमेंट योजना से खत्म किया जा सकता है। ऐसी घोषणा इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने की है। हालांकि ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक इससे भिन्न राय रखते हैं। एम्स निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया का कहना है कि अभी आईसीएमआर के फैसले पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। अभी इसके लिये और अधिक डेटा के अध्ययन की जरूरत है। निदेशक डा. गुलेरिया का कहना है कि प्लाज्मा कोई जादू नहीं है। इसे हमें यह ठीक से देखना और समझना होगा कि कहां पर इसके प्रयोग से लाभ होगा। या फिर यह कहना कि इससे हर किसी को फायदा होगा। हम जो भी कोविड से सीख

और समझ रहे हैं, वह यह है कि इलाज तब काम कर सकता है अगर उसका समय सही हो। उन्होंने कहा कि अभी और अधिक डेटा के अध्ययन करने की आवश्यकता है। डा. गुलेरिया ने कहा कि आईसीएमआर के अध्ययन में बड़ी संख्या में ऐसे मरीज थे जिन्हें प्लाज्मा दिया गया, उनके शरीर में पहले से एंटीबॉडी थीं। हमें यह पता है कि अगर आपके शरीर में पहले से एंटीबॉडी हैं तो बाहर से प्लाज्मा के जरिए इसे देने से अधिक लाभ नहीं होगा। इसलिए अधिकतर अध्ययन में यही कहा जाता है कि प्लाज्मा को शरीर में एंटीबॉडी बनने से पहले देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड19 के इलाज में यह जरूरी है कि इलाज सही समय पर दिया जाए। कहा कि अगर यह देर से किया गया तो इसका अधिक लाभ नहीं होगा और बहुत पहले दे दिया गया है तो नुकसान की संभावना रहती है।

सोमालिया में फंसे 33 भारतीयों की राहत और वापसी पर काम कर रहा है भारत

नयी दिल्ली, 23 अक्टूबर (वेबवार्ता)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत सोमालिया में फंसे 33 भारतीयों को राहत प्रदान करने और उनकी वापसी के लिए काम कर रहा है और नैरोबी स्थित उच्चायोग ने इस सिलसिले में सोमालियाई अधिकारियों के साथ बातचीत की है। उत्तर प्रदेश के 25 श्रमिकों सहित 33 भारतीय मजदूरों को सोमालिया में एक कंपनी ने कथित तौर पर पिछले आठ महीनों से बंधक बना रखा है। वे 10 महीने पहले कंपनी में शामिल हुए थे। पहले दो महीनों में, कंपनी ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया, लेकिन पिछले आठ महीनों से श्रमिकों को कथित तौर पर उनका वेतन नहीं दिया गया। जयशंकर ने एक ट्वीट में कहा कि सरकार भारत में सोमाली दूतावास के भी संपर्क में है। विदेश मंत्री ने कहा,

''विदेश मंत्रालय और नैरोबी में हमारे उच्चायोग सोमालिया के मोगादिशु में फंसे 33 भारतीयों की राहत और वापसी पर काम कर रहे हैं। उच्चायुक्त ने सोमालियाई अधिकारियों के साथ अपनी चिंताओं को रखा है। हम भारत में सोमाली दूतावास के भी संपर्क में हैं। शीघ्र समाधान की उम्मीद है।''

अंतः विषयी ऑनलाइन शिक्षक विकास कार्यक्रम में दिग्गजों ने की शिरकत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर शिक्षक, शिक्षण एवं अध्यापक शिक्षा प्रक्रियाएं, सरोकार एवं सम्भावनाएँ' विषय पर एक छह दिवसीय अंतःविषयी ऑनलाइन शिक्षक विकास कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इसका आयोजन माता सुंदरी कॉलेज फॉर वुमेन और आईक्यूएसी,माता सुंदरी कॉलेज फॉर वुमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक विज्ञान अधिगम केंद्र के सहयोग से किया गया। इस मौके पर माता सुंदरी कॉलेज फॉर वीमेन की प्राध्यापिका प्रोफ़ेसर हरप्रीत कौर ने बताया कि कैसे यह कार्यक्रम अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर उस दृष्टिकोण को विकसित में सहायक होगा, जिसे नई शिक्षा नीति में प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया है। मुख्य वक्ता प्रो.मोहम्मद अख्तर सिद्दीकी, आईएएसई शिक्षा संकाय ने

शिक्षक, अध्यापक शिक्षा और शिक्षण से संबंधित विभिन्न परिवर्तनों पर अपनी बात रखी और उन विचारों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जोड़ते हुए समझाने का प्रयत्न किया। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जनकदुलारी आही, एन.सी.टी.ई.एन. आर.सी. के अध्यक्ष प्रो. बी. एल. नाटिया, की मौजूदगी ने आयोजन किया गया। इस मौके पर आई क्यू ए सी के संयोजक डॉ लोकेश कुमार गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक डॉ रवनीत कौर, डॉ आफरीन खान और शिक्षक अध्यापन केंद्र के संयोजक डॉ संजय शर्मा भी उपस्थित रहे। पिछले छह दिनों के दौरान, देश भर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और शिक्षा जगत से जुड़े बुद्धिजीवियों ने विभिन्न उपविषयों पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। विभिन्न उपविषयों जैसे अध्यापक शिक्षा में सुधार, अध्यापकशिक्षण प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका, डिजिटल शिक्षा, मूल्यांकन में नए प्रवृत्ति, उच्च शिक्षा में स्वायत्तता आदि की चर्चा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में की गयी। शुक्रवार को कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम आयोजकों द्वारा सम्पूर्ण कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी, कार्यक्रम के अंतिम क्षणों में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से जुड़ें प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किये और आयाजकों का अभिनन्दन किया।

गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन को लेकर दिव्यांगजनों के लिए नियमों में बदलाव

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर । सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने गाडि़यों के पंजीकरण के समय वाहनों के स्वामित्व के विवरणों के अभिग्रहण को सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम (सीएमवीआर) 1989 के फॉर्म 20 में संशोधन किया है। इस बावत अधिसूचना जारी कर दी है।

इससे दिव्यांगजनों को विशेष लाभ होगा। परिवहन मंत्रालय के संज्ञान में आया था कि मोटर वाहन के पंजीकरण के लिए आवश्यक सीएमवीआर के विभिन्न प्रपत्रों के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार के विवरण उचित रूप से प्रतिबिंबित नहीं होते। इसको ध्यान में रखते हुए स्वामित्व विवरण प्रारूप के अधिग्रहण के लिए इसने सीएमवीआर के फॉर्म 20 को संशोधित कर दिया है। इसके अलावा सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत दिव्यांगजनों

(शारीरिक चुनौती का सामना कर रहे लोग) को मोटर वाहनों की खरीद, स्वामित्व, संचालन के लिए जीएसटी के लाभ और अन्य छूट प्रदान की जा रही है। सीएमवीआर1989 के अंतर्गत वर्तमान विवरणों के अनुसार, अधिग्रहित स्वामित्व अधिकार दिव्यांगजन नागरिकों के विवरण को प्रतिबिंबित नहीं करता। ऐसे नागरिकों के लिए सरकारी योजनाओं के तहत उपलब्ध विभिन्न लाभों का लाभ उठाना मुश्किल हो जाता है, जैसेभारी उद्योग विभाग विभाग की वित्तीय प्रोत्साहन योजना के अनुसार दिव्यांगजनों को मिलने वाले लाभ। लेकिन नये बदलाव में परिवहन मंत्रालय नेइसे ठीक कर दिया है। साथ ही प्रस्तावित संशोधन के साथ इस प्रकार के स्वामित्व अधिकार विवरण समुचित रूप से प्रतिबिंबित होंगे और दिव्यांगजन विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने में सक्षम होंगे। इस संबंध में 19 अगस्त को लोगों से सुझाव और टिप्पणियां मांगी गई थीं।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

एक नजर

फेलुदा पेपर स्ट्रिप जांच के लिए आईसीएमआर ने जारी किये परामर्श

नयी दिल्ली। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने देश में निर्मित फेलुदा पेपर स्ट्रिप जांच पर परामर्श जारी की है, यह सार्ससीओवी2 पहचान के लिए सीआरआई एसपीआरसीएस9 तकनीक पर आधारित है। इस जांच में सीआरआईएसपीआर जीन इंजीनियरिंग से जुड़ी आधुनिक तकनीक का सहारा लिया गया है जो सार्ससीओवी2 के जीन से जुड़े तत्व की पहचान एक घंटे के भीतर कर लेता है। आईसीएमआर की ओर से जारी परामर्श में बताया गया है कि इसके उत्पादकों का दावा है कि इस जांच में अगर व्यक्ति के संक्रमित या संक्रमित नहीं होने की पुष्टि होती है तो उसके बाद आरटीपीसीआर जांच की जरूरत नहीं है। इसे 'वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद' (सीएसआईआर) के 'जिनोमिकी और समवेत जीव विज्ञान संस्थान' (आईजीआईबी), दिल्ली ने तैयार किया है। इसका सत्यापन नेशनल सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च ने किया है। इस जांच को देश में करने की अनुमति भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) ने दी है। आईसीएमआर ने एक बयान में बताया कि इस जांच में सार्स सीओवी2 वायरस की पहचान की जाती है ।

डटकर करें कोरोना का मुकाबला: अभिनव सहाय

नई दिल्ली। राजौरी गार्डन स्थित राजधानी कॉलेज की रसायन विज्ञान की केम्फिलिक सोसायटी व एनएसएस ने मिलकर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके अंतर्गत पावर टू यूथः हॉलिस्टिक वेलनेस प्रोग्राम चलाया गया। इस वेबिनार के माध्यम से कॉलेज के छात्रों एवं शिक्षकों को वेलनेस के मुख्य बिंदुओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता राजधानी कॉलेज के पूर्व छात्र अभिनव सहाय ने इस विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छात्रों को बताया कि अपनी अंदरुनी शक्तियों का किस तरह से आभास होना चाहिए तथा युवाओं को अपनी शक्तियों का प्रयोग समाज के समग्र कल्याण हेतु कैसे करना चाहिए । उन्होंने बताया कि एक स्वस्थ मनुष्य को अपनी दिनचर्या कैसे व्यवस्थित करनी चाहिए। संतुलित आहार मनुष्य के शारीरिक एवं मानसिक संतुलन के लिए आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि इस कोरोना महामारी के चलते हम युवाओं को अपने लक्ष्य से नहीं हटना है, बल्कि दिन प्रतिदिन एक वीर योद्धा बनकर इस महामारी का डटकर सामना करना है। कार्यक्रम का संचालन सोसायटी की संयोजक डॉ शर्मिला यादव द्वारा किया गया। इस वेबिनार में राजधानी कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश गिरि भी उपस्थित रहे। कॉलेज के शिक्षकों एवं छात्रों ने बड़ी संख्या में एकजुट होकर भाग लिया। वेबिनार से जुड़े छात्रों के मन में आए हुए प्रश्नों के उत्तर अभिनव सहाय एवं उनके सहायक अजय त्यागी ने मिलकर बड़े ही सहज एवं सरल शब्दों में दिए।

LNJP अस्पताल में 1500 बेड का अत्याधुनिक मल्टी स्पेशियलिटी ब्लॉक बनेगा

अत्याधुनिक डिजाइन और आधुनिक चिकित्सा बुनियादी ढांचे के साथ देश का सबसे बड़ा अस्पताल होगा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लोगों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से एलएनजेपी अस्पताल में 1500 बेड के मल्टी स्पेशियलिटी ब्लॉक की आज आधारशिला रखी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दोढाई साल के अंदर 1500 बेड जुड़ने के बाद एलएनजेपी 3800 बेड का हो जाएगा, जो अत्याधुनिक डिजाइन और आधुनिक चिकित्सा बुनियादी ढांचे के साथ देश का सबसे बड़ा अस्पताल होगा। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सभी सुविधाओं से युक्त 1500 बेड बनाने में करीब 450 करोड़ रुपए खर्च आने की उम्मीद है। हम अपने सभी प्रोजेक्ट समय से पूरा करने के साथ ही पैसे भी बचा रहे हैं, जबकि अन्य राज्य सरकारों के प्रोजेक्ट पूरे होने में 1010 साल लग जाते हैं और 200 करोड़ का बजट है, तो बढ़ कर हजार करोड़ का हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान वाहन प्रदूषण को कम करने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने दिल्ली के सभी लोगों से इस अभियान का हिस्सा बनने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने कहा कि सीएम का सपना दिल्ली को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं देने का है और एलएनजेपी अस्पताल का इस दिशा में बहुत बड़ा योगदान रहेगा। पूरी तरह से वातानुकूलित मेडिकल ब्लॉक

में एक ही छत के नीचे सभी आधुनिक मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध होंगी और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स चार्जिंग प्वाइंट की सुविधा भी दी जाएगी।

एलएनजेपी अस्पताल में 1500 बेड के मेडिकल ब्लॉक की आधारशिला रखते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज बहुत ही खुशी का दिन है कि अत्याधुनिक विश्व स्तरीय तकनीकी से एलएनजेपी अस्पताल में नया मेडिकल ब्लॉक बनने जा रहा है। इस ब्लॉक में 1500 बेड जोड़े जा रहे हैं। अभी एलएनजेपी अस्पताल में 2000 पहले से ही बेड हैं। यह 1500 जोड़े जाने के बाद एलएनजेपी अस्पताल में 3500 बेड हो जाएगी। बताया गया है कि अस्पताल के एक अन्य ब्लॉक में भी 300 बेड और बनाए जा रहे हैं। इस तरह, अगले दो से ढाई साल के अंदर एलएनजेपी अस्पताल 3800 बेड का अस्पताल हो जाएगा, जो पूरे देश के अंदर सबसे बड़े अस्पतालों में से एक होगा। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एलएनजेपी अस्पताल काफी क्षेत्रफल में फैला हुआ है। उस पूरे एरिया के अंदर कुल 2000 बेड हैं, जबकि अस्पताल के अंदर खाली एक छोटी सी जगह के अंदर 25 मंजिला बिल्डिंग बन रही है, जिसमें 1500 बेड होंगे। एक तरह से इसमें आर्किटेक्ट ने भी काफी अच्छा काम किया है और इसकी आधुनिक डिजाइन है, जिससे कि बाद में भी कोई बदलाव किया जा सकता है और नई सुविधाएं जोड़ी जा सकती हैं। इस अस्पताल में मेडिकल सुविधाएं भी सबसे आधुनिक होंगी। मुझे खुशी है कि दिल्ली के रहने वाले लोग देश की राजधानी में रहते हैं, तो देश की राजधानी में रहते हुए उन्हें विश्वस्तरीय मेडिकल सुविधाएं मिलनी चाहिए। दिल्ली दुनिया के किसी भी देश से कम नहीं होना चाहिए।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले 5 साल में हम एक एक करके बहुत सारी नईनई सुविधाएं दिल्ली के अंदर जोड़ते जा रहे हैं और उसी क्रम के अंदर अब एलएनजेपी अस्पताल के अंदर एक तरह से बहुत ही अत्याधुनिक ब्लॉक जोड़ा जा रहा है। अस्पताल में आपको दुनिया की सबसे अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। पूरा अस्पताल वातानुकूलित होगा और इसका खर्चा करीब 30 लाख रुपए प्रति बेड है, अर्थात एक बेड बनाने का खर्च करीब 30 लाख रुपए आ रहा है और 1500 बेड बनाने में करीब 450 करोड़ रुपए का खर्च आ रहा है। देश के अंदर इस वक्त चाहे केंद्र सरकार या कोई राज्य सरकार हों, कहीं पर भी जो अस्पताल बन रहे हैं, उसमें खर्चा सवा करोड़ रुपए से डेढ़ करोड़ रुपए प्रति बेड आता है ।

जमानत, अंतरिम रोक की अवधि बढ़ाने संबंधी आदेश अगले महीने से नहीं रहेगा प्रभावी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, 23 अक्टूबर । दिल्ली उच्च न्यायालय ने फैसला किया है कि कोविड19 महामारी को काबू करने के लिए लागू लॉकडाउन के दौरान और उससे पहले मंजूर की गई जमानत और अंतरिम रोक की अवधि बढ़ाने का उसका आदेश 31 अक्टूबर के बाद प्रभावी नहीं रहेगा।

अदालत ने कहा कि जिन विचाराधीन कैदियों की जमानत अवधि बढ़ाई गई थी, उन्हें दो नवंबर से 13 नवंबर के बीच चरणबद्ध तरीके से आत्मसमर्पण करना होगा। उसने कहा कि यह आदेश उन 356 कैदियों पर भी लागू होगा, जिन्हें अदालत ने जमानत दी है और उन्हें 13 नवंबर को जेल प्राधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करना होगा। इससे पहले, अदालत ने कोविड19 महामारी के चलते अपने और जिला अदालतों में उन लंबित मामलों पर सभी अंतरिम आदेशों की अवधि 31 अगस्त से बढ़ाकर 31 अक्टूबर तक कर दी थी, जिनमें अंतरिम आदेश की अवधि 31 अगस्त या उसके बाद समाप्त होने वाली थी। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल, न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति तलवंत सिंह की पूर्ण पीठ ने कहा कि जघन्य अपराधों में संलिप्त जिन 2,318 विचाराधीन कैदियों की जमानत मंजूर की गई थी और जिनकी जमानत की अवधि अदालत के आदेश के आधार पर समयसमय पर बढ़ाई गई, उनकी जमानत की अवधि 31 अक्टूबर को समाप्त होगी और उन सभी को दो नवंबर से 13 नवंबर के बीच चरणबद्ध तरीके से आत्मसमर्पण करना होगा।

आत्मसपर्मण की प्रक्रिया तीस हजारी जिला न्यायालय से शुरू होगी और यह नयी दिल्ली स्थित राऊज एवेन्यू अदालत परिसर में कैदियों के आत्मसमर्पण से 13 नवंबर को समाप्त होगी। अदालत ने कहा कि कोरोना वायरस के कारण अदालतों का कामकाज प्रभावित होने के कारण अंतरिम आदेशों की अवधि बढ़ाई गई थी, लेकिन अब ''हालात बदल गए हैं'' और सभी अदालतें काम कर रही हैं।

उसने कहा कि अब अदालतों में कोविड19 संक्रमण का खतरा नहीं है और 16,000 कैदियों में से केवल तीन संक्रमित हैं, उन्हें अलग कर दिया गया है और वे अस्पताल में भर्ती हैं। पीठ ने कहा कि यह आदेश उन 356 कैदियों पर भी लागू होगा जिन्हें जमानत दी गई है।

एक माह में 4 जमानत याचिकाएं दाखिल करने पर जुर्माना

नई दिल्ली। एक महीने में चार बार जमानत याचिकाएं दाखिल करने वाले आरोपी पर अदालत ने 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने कहा है कि अदालती कार्यवाही को प्रभावित करने के कारण आरोपी को दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) में जुर्माने की रकम जमा करानी होगी। द्वारका स्थित अतिरिक्त सत्र न्याधीश गोमती मनोचा की अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि अगली बार तब तक आरोपी की जमानत याचिका को सुनने के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा, जब तक उसकी तरफ से जुर्माना रकम जमा कराने की रसीद अदालत के समक्ष पेश नहीं कर दी जाएगी। अदालत ने इस मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि यह बात वकील या आरोपी को समझ में क्यों नहीं आती कि यह मुश्किल समय है। रोटेशन में अदालत में सुनवाई चल रही है। ज्यादा से ज्यादा मामलों को निपटाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन बारबार एक ही मुद्दे को अदालत लेकर पहुंचने वाले लोगों की वजह से अन्य मामले प्रभावित होते हैं। अगर चार दिन पहले जमानत याचिका खारिज हुई है।

अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म लक्ष्मी बम के विरोध में प्रदर्शन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली एवं लव जिहाद को बढ़ावा देने वाली अक्षय कुमार द्वारा अभिनीत हिंदी फिल्म के विरोध में यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने आज जंतर मंतर पर विशाल प्रदर्शन करके फिल्म पर प्रतिबंध लगाने एवं इसकी निर्माता शबीना खान को गिरफ्तार करने की मांग की। इस अवसर पर संगठन के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता जयभगवान गोयल ने कहा कि विगत काफी समय से एक गहरी साजिश के तहत फिल्मों के माध्यम से हिंदू देवी देवताओं का अपमान करने की परंपरा चल रही है। अधिकांश लोग विशेषकर युवा फिल्मों का अनुसरण करते हैं लेकिन फिल्मों के जरिए हिंदुओं की आस्था और भावनाओं पर कुठाराघात आम बात हो गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा फिल्म सेंसर बोर्ड को इस ओर अत्याधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। सिनेमा मालिकों को भी पूरी जांच पड़ताल के बाद ही फिल्मों को अपने यहां प्रदर्शित करने की अनुमति देनी चाहिए। गोयल ने कहा कि फिल्म की निर्माता शबीना खान विगत में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रही है। कश्मीर और धारा

370 के मामले में भारत देश एवं भारत सरकार के विरोध उनके बयान आते रहे हैं। फिल्म के माध्यम से मुसलमान युवक को हिंदू लड़की को फसाने के दृश्य दिखाने का सीधा अर्थ लव जिहाद को बढ़ावा देना है। गोयल ने कहा कि 1998 में रिलीज की गई फिल्म फायर का हमने दिल्ली के रीगल सिनेमा में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन रोक दिया था। हमारे घोर विरोध के दृष्टिगत फिल्म पूरे देश में संशोधित रूप से प्रदर्शित हो पाई थी। यदि वर्तमान फिल्म निर्माता समाज और हिंदू धर्म के प्रति अपना दृष्टिकोण नहीं बदलेंगे तो हमें फायर जैसी पुनरावृति करने पर विवश होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मूल रूप से दक्षिण भारत की फिल्म की पटकथा को लेकर यह फिल्म बनाई गई लेकिन जानबूझकर कहानी में ऐसे फेरबदल किए गए जो माफी के लायक भी नहीं है।

एलओसी पर लगेगी इलेक्ट्रानिक हाइब्रिड 'स्मार्ट' बाड़

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (वेबवार्ता)। पाकिस्तान की तरफ से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आतंकियों की घुसपैठ रोकने के लिए सेना ने अपनी इलेक्ट्रॉनिक निगरानी में काफी सुधार किया है। सीमा पर मौजूदा बाड़ को कई सेंसर के साथ एकीकृत करके हाईब्रिड 'स्मार्ट' बाड़ लगाई जा रही है। इस हाईटेक बाड़ को लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग सेंसर, इंफ्रारेड सेंसर और अन्य कैमरों के साथ जोड़ा जाएगा। सूत्रों ने बताया कि स्मार्ट बाड़ के नए हाइब्रिड मॉडल की लागत लगभग 10 लाख रुपये प्रति किमी होगी और इस वर्ष सीमा पर 60 किमी. हाईटेक बाड़ लगाने का कार्य पूरा किया जायेगा। चूंकि इस सेंसरयुक्त हाइब्रिड मॉडल की बाड़ की लागत ज्यादा है, इसलिए 700 किमी. की पूरी एलओसी पर इसके लगाने का अभी फैसला नहीं किया गया है। पहले 2.4 किमी एरिया में हाईटेक बाड़ के लिए लगभग 10 करोड़ का प्रस्ताव दिया गया था। हाल के महीनों में सेना ने नियंत्रण रेखा के करीब सैनिकों को कमकम दूरी पर तैनात किया है, जिससे इस साल घुसपैठ में गिरावट आई है। इस बार अभी तक पाकिस्तान की तरफ से सिर्फ 30 आतंकियों ने घुसपैठ की है जबकि पिछले साल इस समय तक 130 आतंकी सीमा पार से आ चुके थे। सूत्रों का कहना है कि एलओसी पर एंटीइंफिल्ट्रेशन ग्रिड को कई स्तरों पर मजबूत किया गया है। निगरानी के लिए सैनिकों को बड़े और छोटे दोनों तरह के ड्रोन दिए गए हैं। लगभग 700 किमी. की सीमा पर लगी मौजूदा बाड़ को एंटीइंट्रूस्ट्रेशन ऑब्सट्रेल सिस्टम कहा जाता है। कंसर्टिना तार से बनी दोहरी पंक्ति वाली यह बाड़ 2003 और 2005 के बीच लगाई गई थी। इन 1517 साल के बीच बर्फबारी के कारण हर साल इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती गई।

रेलवे अब घर से ट्रेन और ट्रेन से घर तक पहुंचाएगी आपका सामान

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर । उत्तर एवं उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चैधरी ने बताया कि रेलवे नए उपायों से राजस्व को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। इसी दिशा में कार्य करते हुए दिल्ली मंडल ने हाल ही में गैर किरायाराजस्व अर्जन योजना के अंतर्गत ऐप आधारित बैग्स ऑन व्हील्स सेवा के लिए ठेका प्रदान करके मील का पत्थर स्थापित किया है।

देश में रेलयात्रियों के लिए यह अपनी तरह की पहली सेवा होगी। बीओडब्लू ऐप के द्वारा रेलयात्री अपने सामान को अपने घर से रेलवे स्टेशन तक लाने अथवा रेलवे स्टेशन से घर तक पहुंचाने के लिए आवेदन करेंगे। यात्री का सामान सुरक्षित तरीके से लेकर रेलयात्री के बुकिंग विवरण के अनुसार उसके कोच या घर तक पहुंचाने का कार्य ठेकेदार द्वारा किया जाएगा। नाम मात्र के शुल्क पर रेलयात्रियों को सामान की डोरटूडोर सेवा फर्म द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी और यात्री के घर से उसका सामान रेलगाड़ी में उसके कोच तक अथवा उसके कोच से उसके घर तक सुगमता से पहुंचाया जाएगा। यह सेवा रेलयात्रियों विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग जनों और अकेले यात्रा कर रही महिला यात्रियों के लिए बहुत ही लाभदायक सिद्ध होगी। इस सेवा की खास खूबी यह है कि सामान की सुपुर्दगी रेलगाड़ी के प्रस्थान से पहले सुनिश्चित की जाएगी। इसके फलस्वरूप यात्री कोच तक सामान लाने या ले जाने की परेशानी से मुक्त हो एक अलग ही प्रकार की यात्रा का अनुभव करेंगे। शुरूआत में यह सेवा नई दिल्ली, दिल्ली हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली छावनी, दिल्ली सराय रोहिला, गाजियाबाद और गुडगांव रेलवे स्टेशनों से चढ़ने वाले रेलयात्रियों के लिए उपलब्ध होगी। इस सेवा से न केवल यात्री लाभान्वित होंगे ।

निगम की बकाया राशि तुरन्त दें दिल्ली सरकार: विजेन्द्र यादव

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। उतरी दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के उपाध्यक्ष विजेन्द्र यादव ने कहा कि निगम अपने दायित्व को ठीक से निभा रहा है। लेकिन दिल्ली सरकार एमसीडी के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। दिल्ली सरकार उतरी दिल्ली नगर निगम का 1024 करोड़ रूपये बकाया राशि दे। जिससे की निगम को ठीक से चलाया जा सके। निगम में कार्यरत कर्मचारियों का वेतन समय से दिया जा सके।

यादव ने कहा डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया को लेकर निगम का स्वास्थ्य विभाग युद्ध स्तर पर हर वर्ष कार्य करता है, लेकिन 10 मिनट कार्य करके इसका श्रेय दिल्ली सरकार लेना चाहती है। स्थायी समिति के उपाध्यक्ष विजेन्द्र यादव ने आगे कहा कि जो दिल्ली के सीएम विज्ञापन पर खर्च करके दिल्ली की जनता का पैसा पानी की तरह बहा रहे है अगर यही पैसा दिल्ली के विकास कार्यों में लगाया जाये तो दिल्ली की जनता को कई समस्याओ से राहत मिल सकती है इस लिए मेरी दिल्ली सरकार से अपील है कि विज्ञापन पर कम खर्च करके दिल्ली के विकास पर अधिक से अधिक खर्च किया जाये।

आरबीआई ने की घोषणा, अब क्विक रिस्पॉन्स क्यूआर कोड को जारी करेंगी पेमेंट कंपनियां

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (वेबवार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक ने पेमेंट सिस्टम ऑपरेटर्स को नया स्व अधिकार वाला क्यूआर कोड जारी करने से मना कर दिया है। डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्टर में सुधार के लिए

आरबीआई यह फैसला लिया है। आरबीआई का कहना है कि स्मार्टफोन्स इस समय देशव्यापी हो गए हैं और ईपेमेंट्स का आधार क्यूआर बनते जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने गुरुवार को कहा कि सभी पेमेंट ऑपरेटर्स को 31 मार्च 2022 तक अंतरसंचालित क्विक रिस्पॉन्स क्यूआर कोड को अपनाना होगा। आरबीआई के इस आदेश का मतलब है कि पेमेंट ऑपरेटर्स को एक ऐसे क्यूआर कोड सिस्टम में शिफ्ट करना होगा, जो दूसरे पेमेंट ऑपरेटर्स द्वारा भी स्कैन हो सके। इस प्रोसेस को लागू करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2022 तय की गई है। प्रोफेसर दीपक फाटक की अगुवाई वाली एक कमेटी ने अगले दो साल में अंतरसंचालित क्यूआर कोड्स में बदलाव को लेकर कई सुझाव दिए थे। वर्तमान में, देश में तीन तरह के क्यूआर कोड चलते हैं। ये भारत क्यूआर, यूपीआई क्यूआर और प्रोपराइटरी क्यूआर कोड हैं। आरबीआई के इस आदेश के अनुसार, देश में डिजिटल और सुरक्षित लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए यह ड्राफ्ट तैयार किया गया है. जिसके अनुसार पेमेंट सिस्टम ऑपरेटर्स को एक ऐसे क्यूआर कोड सिस्टम में शिफ्ट करना होगा, जो दूसरे पेमेंट ऑपरेटर्स द्वारा भी स्कैन हो सके. इस प्रोसेस को लागू करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2022 तय की गई है। यूपीआई और भारत पहले की तरह ही जारी रहेंगे। केंद्रीय बैंक की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि इंटरऑपरेबल क्यूआर कोड्स के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए पेमेंट सिस्टम ऑपरेटर्स को पहली करनी होगी। फाटक कमेटी के इस सुझाव से पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में मदद मिलेगी। इंटरऑपरेबिलिटी की वजह से आम लोगों को सहूलियत होगी और पेमेंट सिस्टम भी पहले से बेहतर हो सकेगा।

BUSINET

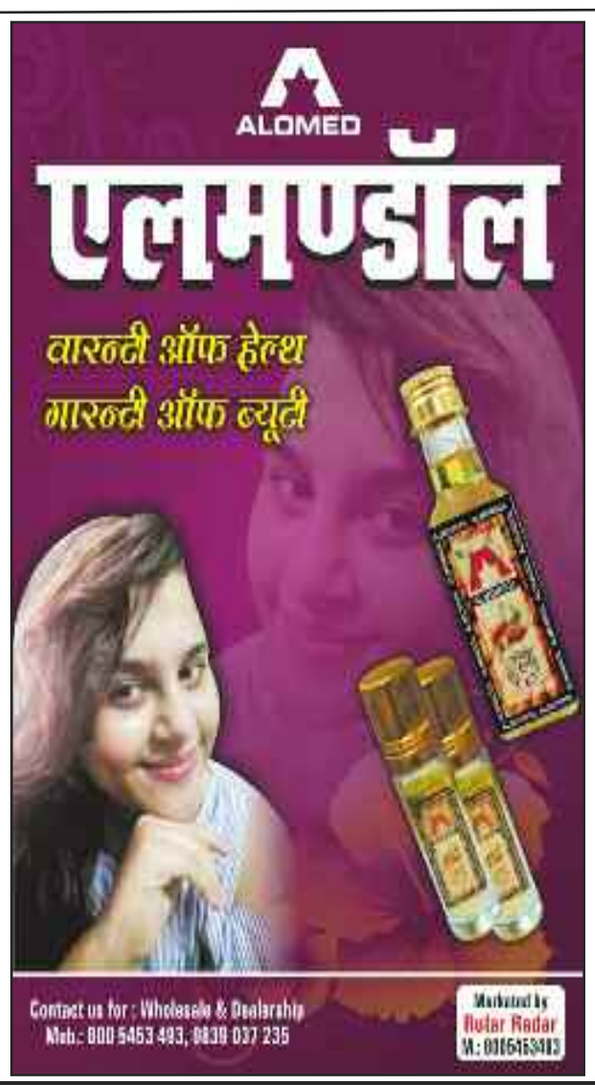

संपादकीय

राम को छत मिल जाने से खास हो गयी है इस बार की विजयादशमी

इस विजयादशमी पर अयोध्या पहली बार बहुत खुश नजर आ रही है। क्योंकि उसके सबसे लायक बेटे भगवान श्री राम की जन्मभूमि का विवाद हल हुआ और अब वहां भव्य राम मंदिर की तैयारियां हैं। निर्माण कार्य में गति है और जल्दी ही मंदिर का भव्य रूप हमारे सामने होगा। राम का समूचा जीवन संघर्ष की अनथक कथा है। इसी तरह राममंदिर का निर्माण भी एक अनथक संघर्ष का प्रतीक है। विजयादशमी के पर्व पर यह पलट कर देखना सुखद है कि किस तरह राम अपने घर लौटेंगे। अयोध्या यानि वह भूमि जहां कभी युद्ध न हुआ हो। ऐसी भूमि पर कलयुग में एक लंबी लड़ाई चली और त्रेतायुग में पैदा हुए रघुकुल गौरव भगवान श्रीराम को आखिरकार छत नसीब होने वाली है।

राजनीति कैसे साधारण विषयों को भी उलझाकर मुद्दे में तब्दील कर देती है, रामजन्मभूमि का विवाद इसका उदाहरण है। आजादी मिलने के समय सोमनाथ मंदिर के साथ ही यह विषय हल हो जाता तो कितना अच्छा होता। आक्रमणकारियों द्वारा भारत के मंदिरों के साथ क्या किया गया, यह छिपा हुआ तथ्य नहीं है। किंतु उन हजारों मंदिरों की जगह, अयोध्या की जन्मभूमि को नहीं रखा जा सकता। एक ऐतिहासिक अन्याय की परिणिति आखिरकार ऐतिहासिक न्याय ही होता है। यह बहुत संतोष की बात है कि भारत की न्याय प्रक्रिया के तहत इस आए फैसले से इस मंदिर का निर्माण हो रहा है।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अर्थ में गौरवशाली हैं कि उनके कार्यकाल में इस विवाद का सौजन्यतापूर्ण हल निकल सका और मंदिर निर्माण का शुभारंभ हो सका। इस आंदोलन से जुड़े अनेक नायक आज दुनिया में नहीं हैं। उनकी स्मृति आती है। मुझे ध्यान है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के नेता और मंत्री रहे दाऊदयाल खन्ना ने मंदिर के मुद्दे को आठवें दशक में जोरशोर से उठाया था। उसके साथ ही अशोक सिंहल जैसे नायक का आगमन हुआ और उन्होंने अपनी संगठन क्षमता से इस आंदोलन को जनांदोलन में बदल दिया। संत रामचंद्र परमहंस, महंत अवैद्यनाथ जैसे संत इस आंदोलन से जुड़े और समूचे देश में इसे लेकर एक भावभूमि बनी। तब से लेकर आजतक सरयू नदी ने अनेक जमावड़े और कारसेवा के प्रसंग देखे हैं। सुप्रीम कोर्ट के सुप्रीम फैसले के बाद जिस तरह का संयम हिंदू समाज ने दिखाया वह भी बहुत महत्त्व का विषय है। क्या ही अच्छा होता कि इस कार्य को साझी समझ से हल कर लिया जाता। किंतु राजनीतिक आग्रहों ने ऐसा होने नहीं दिया। कई बार जिदें कुछ देकर नहीं जातीं, भरोसा, सद्भाव और भाईचारे पर ग्रहण जरूर लगा देती हैं। दुनिया के किसी देश में यह संभव नहीं है कि उसके आराध्य इतने लंबे समय तक मुकदमों का सामना करें। किंतु यह हुआ और सारी दुनिया ने इसे देखा। यह भारत के लोकतंत्र, उसके न्यायिकसामाजिक मूल्यों की स्थापना का समय भी है। यह सिर्फ मंदिर नहीं है जन्मभूमि है हमें इसे कभी नहीं भूलना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं का मानस क्या रहा होगा, कहने की जरूरत नहीं है। किंतु हर भारतवासी का राम से रिश्ता है इसमें भी कोई दो राय नहीं है। वे हमारे प्रेरणापुरुष हैं, इतिहासपुरुष हैं और उनकी लोकव्याप्ति विस्मयकारी है। ऐसा लोकनायक न सदियों में हुआ है और न होगा। लोकजीवन में, साहित्य में, इतिहास में, भूगोल में, हमारी प्रदर्शनकलाओं में उनकी उपस्थिति बताती है राम किस तरह इस देश का जीवन हैं। राम का होना मर्यादाओं का होना है, रिश्तों का होना है, संवेदना का होना है, सामाजिक न्याय का होना है, करूणा का होना है। वे सही मायनों में भारतीयता के उच्चादर्शों को स्थापित करने वाले नायक हैं। उन्हें ईश्वर कहकर हम अपने से दूर करते हैं। जबकि एक मनुष्य के नाते उनकी उपस्थिति हमें अधिक प्रेरित करती है। एक आदर्श पुत्र, भाई, सखा, न्यायप्रिय नायक हर रूप में वे संपूर्ण हैं। उनके राजत्व में भी लोकतत्व और लोकतंत्र के मूल्य समाहित हैं।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

चुनावों में मुफ्तखोरी वाली संस्कृति

आज हमें यह देखने को मिल रहा है कि सत्ता में रहने वाले अपने कामों से जनता को प्रभावित नहीं कर पाते लेकिन जैसे ही साथियों चुनाव नजदीक आते हैं ,तो राजनैतिक दल अपने पक्ष में सकारात्मक धारणा बनाने के उद्देश्य से लोकलुभावन घोषणाओं की पैंतेरेबाजी अपनाते हैं। बिहार विधानसभा के चुनाव को ही ध्यान से देखें लीजिए लगभग सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार अपने अपने स्तर पर जनता को लुभाने के लिए मुफ्त के समान बांटने की घोषणाएं कर रहे हैं। मैं एक न्यूज़ देख रहा था, जिसमें बिहार चुनाव को लेकर एक नेता जी बोल रहे थे कि अगर मेरी सरकार बनती है तो सबसे पहले मैं जो भी छात्र या छात्रा दसवीं क्लास पास करेगा उसको मैं स्कूटी और बाइक दूंगा। यहां मेरा सवाल उनसे है कि जो बच्चे दसवीं पास करेंगे वह लगभग 14 से 16 वर्षों के उम्र के होते हैं, फिर आप उनका लाइसेंस और उनके पेट्रोल का खर्चा का क्या आपको ख्याल है? साथियों आज जहां जरूरत है शिक्षा और स्वास्थ्य के ढांचे को मजबूत करने की लेकिन हमारे जनप्रतिनिधि लोग झूठी लोकलुभावन घोषणाओं से बाज नहीं आ रहे हैं। वैसे साथियों हम इतिहास उठाकर देखें तो चुनावी घोषणा पत्र में वादे करके मुफ्त समान बांटने या कहे की कर्ज माफी की परंपरा हमारे देश में आजादी के बाद से ही प्रारंभ हो गई थी जो कि वर्तमान राजनीति में अपनी चरम सीमा पर है। पिछले वर्ष में ही रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डॉ. सी .रंगराजन ने आर्थिक विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहे थे कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए मुफ्त में सामान बांटना या कर्ज माफ करना देश के आर्थिक विकास में बाधा उत्पन्न कर सकता है ।

हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, हमारे यहां दोस्तों प्रायः प्रतिवर्ष किसी न किसी राज्य में चुनाव होते रहते हैं। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में स्वास्थ एवं स्वच्छ निर्वाचन लोकतंत्र की बुनियाद होती है, जैसा कि हम जानते हैं कि हमारे भारत के लिए लोकतंत्र की पहली बड़ी परीक्षा आजादी के 4 वर्षों के बाद संपन्न हुई जिसके अंतर्गत 1951 52 में प्रथम आम चुनाव हुए। देखा जाए तो इसी समय से ही गरीबों आदि के लिए विभिन्न तरह के वादे किए जाने लगे थे, लोकतांत्रिक एवं लोक कल्याणकारी व्यवस्था में गरीब जनता को न्यूनतम सुविधा लाभ देना जरूरी भी है लेकिन ना जाने कितने सरकार आयी और गई लेकिन गरीबी वहीं की वहीं है।

आजाद भारत में सर्वप्रथम मुफ्त उपहार संस्कृति को तमिलनाडु की एक क्षेत्रीय पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने शुरू किया था, इस दल ने चुनाव जीतने के लिए साथियों 1996 में

बीपीएल कार्ड धारकों को मुफ्त में कलर टेलीविजन देने का वादा किया। इस दल का यह फार्मूला काम कर गया और वह चुनाव भी जीत गई और करुणानिधि मुख्यमंत्री भी बन गए। इससे तमिलनाडु के साथ ही अन्य राजनीतिक दलों को चुनाव जीतने का मानो एक नया मंत्र ही मिल गया हो। इसके बाद से ही साथियों सरकारी पैसे से मुफ्त उपहार लुटाने का चलन इस कदर बढ़ता जा रहा है कि आज इसकी सारी हदें पार कर दी है।

सर्वोच्च न्यायालय ने भी जुलाई 2013 के अपने आदेश में कहा था कि यह नियम स्पष्ट है कि चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों को जनप्रतिनिधि कानून की धारा 123 के तहत भ्रष्ट कार्य नहीं कहा जा सकता लेकिन साथियों यह सच्चाई है कि किसी भी तरह का मुफ्त समान बांटने से निश्चित तौर पर लोगों पर प्रभाव पड़ता है और इससे सामान प्रतिद्वंदिता प्रभावित होती है। आप ही सोच कर देखो ऐसे में तो जो जमीनी स्तर पर जुड़े हुए व स्वच्छ एवं ईमानदार प्रत्याशी होंगे उनका तो ऐसे में चुनाव जीत कर आना बहुत मुश्किल हो जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा था कि किसी भी प्रकार के मुफ्त उपहारों का वितरण बहुत हद तक स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन की जड़े हिला देगी। जहां तक लोकतंत्र का मामला है तो एक तरफ हम खुश हैं कि हमारे लोकतंत्र की जड़ें गहरी हो रही है, लेकिन साथियों इससे भी बड़ा खतरा यह है कि अब वोटर और राजनीतिक दलों के बीच याचक और दाता का संबंध बनता जा रहा है। अब हम देख रहे हैं कि लगभग सभी राजनीतिक दल वोट के बदले लोगों को कुछ न कुछ देने का वायदा करने लगे हैं। ऐसा नहीं है कि चुनावी वादे पहले नहीं हुआ करते थे पहले भी हुआ करते थे लेकिन पहले के वादे में सड़क बनवाने, पुल बनवाने, नहर खुदवाने और कारखाने लगवाने के साथ ही स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे सार्वजनिक ढांचे को मजबूत करने की बात की जाती थी लेकिन आज वोटर को तुरंत लाभ देने का वादा किया जाता है कि आपको टीवी, साईकिल, इस समस्या से निपटने के लिए क्या उपाय हम करें? चुनाव के दौरान अपने किए गए वादे पूरे करने के लिए मौजूदा सरकार ने चुनाव के दौरान अपना तरीका यह बताया था कि विदेशों में जमा काला धन लाकर और जनता में बांटकर खुशहाली लाएंगे, इसके साथ ही भ्रष्टाचार को मिटाकर बिचौलियों को हटाकर महंगाई खत्म करेंगे और देश की आधी से ज्यादा आबादी यानी कि हमारे अन्नदाता किसानों को उसके उत्पाद की लागत का 50 फ़ीसदी लाभ दिलाएंगे, जिससे उनका संकट दूर हो जाएगा। जब यह सब वादे किए जा रहे थे तब यह बात किसी ने नहीं पूछा कि यह बातें व्यवहारिक है भी या नहीं और यह वादे 5 साल में पूरे हो भी सकते हैं या नहीं? पीछे पलट कर देखें ध्यान से तो साथियों मतदाता को राजनीतिक तौर पर शिक्षित करने की जरूरत तो कभी समझी ही नहीं गई है। हकीकत साथियों यही है कि सभी घोषणाएं जनता के लिए नहीं बल्कि वोट हासिल करने के उद्देश्य से ही होती है, किसी भी राजनीतिक दल को अपना घोषणा पत्र इस तरह से बनाना चाहिए जिससे उसकी मंशा जनता का विकास करना हो, इसके साथ ही घोषणापत्र का राजनीतिक और वित्तीय मूल्यांकन भी किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग को भी यह परखना जरूर चाहिए कि घोषणापत्र में किए गए वादों की गंभीरता कितनी है। कोई भी घोषणा पत्र राजनीतिक भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाला नहीं होना चाहिए,घोषणा पत्र में स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि जो वायदे किए जा रहे हैं उन्हें पूरा कैसे किया जाएगा क्या वे राजनीतिक और आर्थिक तौर पर पूरे किए जा सकते हैं?जैसा कि हम जानते हैं कि राजकोषीय उत्तरदायित्व बजट प्रबंधन अधिनियम राजकोषीय घाटे को कम करने का प्रावधान करता है ऐसे में चुनाव आयोग को यह देखना चाहिए कि लोकलुभावन वायदे वाले दल या नेता इस अधिनियम के प्रावधान का उल्लंघन करने वाले तो नहीं है।

विक्रम क्रांतिकारी
दिल्ली विश्वविद्यालय ।
www.womenexpress.in

आई महा-अष्टमी... घर-घर पूजती कुलदेवी

श्रद्धा, आस्था, निष्ठा और भक्ति के परम पावन सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर नवरात्र के दिनों का आज सबसे महत्वपूर्ण दिवस है क्योंकि, भले कोई पूरे नौ दिन माँ जगततारिणी की पूजा या व्रत न कर पाये लेकिन, इस दिन वो जरुर उनके लिये थोड़ासा वक़्त निकालता है । उसके परिवार में पीढ़ियों से ये परंपरा चली आ रही है कि आज के दिन हर हिंदू घर में कुलदेवी की विशेष पूजाआराधना होती ये केवल सनातन धर्म की रवायत कि प्रत्येक खानदान में एक देवीदेवता होते जिनसे उनके वंश का पालन होता और जिन्हें उस परिवार के समस्त सदस्यों द्वारा पीढ़ीदरपीढ़ी पूजा जाता है । इसे विशेष कहने का तात्पर्य केवल इतना हैं कि इसमें सभी परिजन सम्मिलित होते यहाँ तक कि यदि वे किसी वजह से अपने घर से दूर हो सात समंदर पार तब भी इस दिन दौड़कर वापस आ जाते कि इससे उनको अपने आगामी क्रियाकलापों के लिये वर्ष भर का पर्याप्त ईंधन मिल जाता है ।

ये 'शक्ति' होती सात्विकता की जो नौ दिन वो निभाता, ये 'संबल' होता उस भरोसे का जो वो अपने इष्टदेव के प्रति प्रकट करता और ये ताकत होती उन परिजनों के प्रेम की जिनके दम पर वो कहीं भी सुरक्षित महसूस करता है । इस दिन की महत्ता इतनी कि केवल इस एक दिन में वो अपने भीतर अनंत उत्साह महसूस करता जिसके बल पर उसे अपने अधूरे कार्यों को पूर्ण करने की सामर्थ्य प्राप्त होती है । ये एक अकेला व्रत ही भक्त को उसके संकल्पों के प्रति आवश्यक दृढ़ता प्रदान करता तभी तो आज के दिवस आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति भी अपनी भक्ति की शक्ति से तरहतरह के भोग बनाकर माँ दुर्गा के नन्हे स्वरूपों की पूजन कर उन्हें खिलाकर प्रसाद पाता । आज तो जिधर नजर जाये बस, माँ के ही दर्शन

होते क्योंकि ये कन्या भोज महज़ रिवाज़ नहीं बल्कि, नारी के भीतर छिपी देवी को पहचानने का एक अवसर भी है । परंतु, जब इसे सिर्फ रस्मी तौर पर किया जाता तो वही बच्ची जिसे देवी की तरह पूजते उसी तरह से सभी के अंतर में बसे कि वो सदियों से इनको इसी तरह निभा रहा इसकी वजह यही कि इनके पीछे खोखला आदर्श या तर्क या कोई वेदसम्मत वाक्य नहीं बल्कि, व्यक्ति की अपनी खुद की वैज्ञानिक सोच है जहाँ वो स्वयं इस बात को महसूस करता कि इन दिनों प्रकृति भी अतिरिक्त ऊर्जा से भर जाती और ईश्वर के ध्यान मात्र से भीतर अनन्य शक्ति का संचार होता है ।

जिसका कारण कि समष्टि में का नाद गूंजता जिससे सकल ब्रम्हांड उस पवित्रता से भर जाता और जब वही नाद आकाश से टकराकर पुनः वापस पृथ्वीलोक में आता तो उसमें दैवीय आशीष का भी समावेश हो जाता जिससे कि वो खुद को अधिक ऊर्जावान पाता यही कारण कि महा अष्टमी के दिन सारी दिशाओं व सारी सृष्टि में माँ का ही रूप नजर आता है । वो माँ जो सिर्फ जन्मदात्री या पूजनीय देवी नहीं बल्कि, वो जो साकार रूप में आपके आसपास मौजूद है परंतु, आप या तो उसे पूजनीय मानकर सीधे सर पर बिठा देते हो या दयनीय बनाकर पैरों के नीचे दबा देते तो लेकिन उसे उसके सच्चे स्वरुप में बहुत मुश्किल से स्वीकार करते हो जब तक कि वो खुद को साबित न कर दे ।

नवरात्र के नौ दिन या अष्टमी को अपनी कुलदेवी की विशेष आराधना का उद्देश्य केवल इतना कि हम नारी को भी बराबर का दर्जा दे क्योंकि, ये पूजा गृहलक्ष्मी के बिना अधूरी मानी जाती जो स्वयमेव उसकी महत्ता को दर्शाता है । अतः वे लोग जो इन दिनों तो देवी की भक्ति करते लेकिन, अन्य दिनों उसी देवी के मानवीय रूपों का निरादर करते उन्हें इसके मर्म को समझने की आवश्यकता है । आज महागौरी से यही विनती की वे उनको ऐसी सद्बुद्धि दे कि वो स्त्री के भीतर छिपी दुर्गा, सरस्वती, काली को भले न देख पाये लेकिन उसके अस्तित्व, उसके अंगों को गाली न बनाये इसी कामना के साथ सबको महाअष्टमी की मंगलमयी शुभकामनायें ।

सुश्री इंदु सिंह, इन्दुश्री'
नरसिंहपुर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

पापों से मुक्ति देती है महागौरी

माँ दुर्गा की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है। इनकी शक्ति अमोघ और फलदायिनी है। शारदीय नवरात्रि में आठवें दिन महागौरी की पूजा की जाती है। इनका रूप पूर्णतः गौर वर्ण है। इनकी उपमा शंख, चंद्र और कुंद के फूल से दी गई है। देवी दुर्गा के नौ रूपों में महागौरी आठवीं शक्ति स्वरूपा हैं। महाष्टमी के दिन मां महागौरी की आराधना करने से सुख और समृद्धि के साथ सौभाग्य की प्राप्ति होती है। भक्तों के सभी दुख दूर हो जाते हैं, वह पापमुक्त हो जाते हैं। महागौरी की चार भुजाएं होती हैं। जिसमें से दो भुजाओं में उनके शस्त्र होते हैं और दो भुजाएं आशीर्वाद देती हुई प्रतीत होती हैं। इनका वर्ण सफेद और देखने में अत्यंत सुन्दर है, इसीलिए इनका नाम महागौरी है। इनकी सवारी एक सफेद बैल है और इनके वस्त्र भी सफेद हैं। अष्टमी की तिथि के दिन महागौरी मां दुर्गा की पूजा से भक्तों के सभी तरह के पाप और कष्ट दूर हो जाते है।

प्राचीन कथा के अनुसार जब देवी सती भगवान् शिव को पति रूप में प्राप्त करने हेतु तपस्या में लीन थीं, तो उनके सम्पूर्ण शरीर पर मिट्टी जम गयी थी। कठोर तपस्या के कारण माता का शरीर काला पड़ गया था। अंततरू देवी की तपस्या से प्रसन्न होने के पश्चात्क भगवान शिव उन्हें स्वीकार करते हैं। उस समय देवी सती ने जब गंगा जल में स्नान किया तब वह विद्युत के समान अत्यंत कांतिमान गौर वर्ण की हो जाती हैं। तब देवी के इस स्वरूप को भगवान शिव ने महागौरी का नाम दिया। नवरात्रि के आठवें दिन मां महागौरी की पूजा करने से सभी पाप धुल जाते है। जिससे मन और शरीर हर तरह से शुद्ध हो जाता है। देवी महागौरी भक्तों को सदमार्ग की ओर ले जाती है। इनकी पूजा से अपवित्र व अनैतिक विचार भी नष्ट हो जाते हैं। देवी दुर्गा के इस सौम्य रूप की पूजा करने से मन की पवित्रता बढ़ती है। जिससे सकारात्मक ऊर्जा भी बढ़ने लगती है। देवी महागौरी की पूजा करने से मन को एकाग्र करने में मदद मिलती है। इनकी उपासना से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

नवरात्रि के दसों दिन कुवारी कन्या भोजन कराने का विधान है परंतु अष्टमी के दिन का विशेष महत्व है। इस दिन महिलाएं अपने सुहाग के लिए देवी मां को चुनरी भेंट करती हैं। देवी गौरी की पूजा का विधान भी पूर्ववत है अर्थात जिस प्रकार सप्तमी तिथि तक आपने मां की पूजा की है उसी प्रकार अष्टमी के दिन भी देवी की पंचोपचार सहित पूजा करें।

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार
मालवीय नगर, जयपुर ।
www.womenexpress.in

रावण वध श्री राम को नहीं अब हम सबको करना है

राम और रावण यानि अच्छाई और बुराई हर किसी में है , यहाँ तक कि रावण के मन में भी राम है!!

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व। इस दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने लंकापति रावण का घमंड चूरचूर कर उसका नाश किया था। अहंकारी रावण न सिर्फ खुद अपने विनाश का कारण बना, बल्कि अपने कुल का भी खात्मा कराया।

यह सब तब हुआ जब रावण न सिर्फ प्रकांड पंडित था, बल्कि उच्च कोटि का विद्वान भी था, लेकिन माता सीता के हरण की उसे ऐसी सजा मिली कि उसके कुल का नाश हो गया। हम आज भी बुराई के प्रतीक रावण, उसके भाई कुंभकर्ण और पुत्र मेघनाद का पुतला दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाते हैं, वहीं दूसरी ओर हमारे समाज में आज भी सैकड़ों बुराइयां हैं, जो किसी रावण से कम नहीं हैं।

राम तुम्हारे युग का रावण
अच्छा था
दस के दस चेहरे सब बाहर
रखता था
क्यों ना आज अपने ही भीतर
झांका जाय,
एक तीर अंदर के रावण पर भी
चलाया जाय !!

दशहरे पर नाभि में भगवान राम का अग्निबाण लगने से पूर्व जब रावण का पुतला अप्रहस करता है तो शायद हम पर यही व्यंग्य करता है कि कब तक मेरी ही बुराइयों को जलाते रहोगे, अपनी बुराइयों को खत्म करोगे तब ही शायद मेरी पराजय का सच्चा जश्न मनेगा।

दुनिया के अनेक देश आज भी आतंकवाद से जूझ रहे हैं। आए दिन कहीं न कहीं आतंकवादी वारदातें होती रहती हैं। इनमें हजारों लोगों के जान गंवाने के बाद भी आतंकवाद पर नकेल नहीं कसी जा सकी है। विजय दशमी यानि बुराई पर अच्छाई की जीत। कहते हैं कि एक राम और एक रावण हम सबके अंदर होता है। कभी राम यानि अच्छाई जीतती है तो कभी

रावण की बुराई। हमारा ऐसा ही कुछ सवाल है आप सबसे कि इस दशहरा पर आप खुद अंदर या आसपास देश में किस रावण रूपी बुराई को जलता देखना चाहते हैं।

कुशल विद्वान थे रावण रावण को महान पंडित और राजनीति का कुशल विद्वान कहा जाता था। उस रावण को एक गलती के लिए हम हर साल जलाकर सजा देते हैं, लेकिन हमारे बीच सैकड़ों भ्रष्टाचारी घूम रहे हैं। जिन्हें पहचान कर भी हम सजा नहीं देना चाहते। हम चाहते हैं कि इस दशहरे पर उनके अंदर का रावण जले और रामयुग फिर से आए। इर्द गिर्द भी घूमते हैं रावण हम रावण के पुतले तो हर साल जलाते हैं, लेकिन कितने ही रावण हमारे इर्द गिर्द पल रहे हैं। जो मासूम लड़कियों के साथ दुष्कर्म जैसी वारदातों को अंजाम देते हैं। अब हर मातापिता को अपने आप से वायदा करना चाहिए कि वह अपनी बेटियों को शिक्षित करने के साथ आत्मरक्षा के लिए भी तैयार करेंगे। कर्मों में लाए मर्यादा हम चाहे कितने ही रावण जला लें, लेकिन हर कोने में कुसंस्कार और अमर्यादा के विराट का रावण रोज पनप रहे हैं। रोज सीता के देश की कितनी सीता सरेआम उठा ली जाती हैं। आज देश में कहां जलता है असली रावण। जलती है सिर्फ मासूम की चिताएं। कर्मो में आदर्श और मर्यादा लाने से असत्य पर सत्य की जीत होती है। संकल्प लेने का है दिन आज रानी लक्ष्मी बाई, रानी दुर्गावती, सरोजनी नायडू, मटर टेरेसा, कमला नेहरू जैसी विलक्षण प्रतिभाओं के देश में बेटियों का पैदा होना चिंता का विषय बन गया है। जबकि हमे गर्व महसूस करना चाहिए कि बेटों से ज्यादा मां बाप से भावनात्मक रिश्ते बेटियां जोड़ती हैं। इस दिन संकल्प लेना चाहिए कि बेटियों के साथ भेदभाव नहीं करेंगे। तभी सही मायनों में हमें रावण रूपी बुराई को जलाने का हक होगा।

गोपाल कृष्ण पटेल
दीनदयाल कॉलोनी
जांजगीर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

रावण जिन्दा है...

रावण जिन्दा है अभी भी
ये सच है
पुतला जलाकर
मान लेता है आदमी
रावण मर गया परन्तु घरघर में
हर डगर में कुदृष्टि से
फब्तियों की वृष्टि से जबर्दस्ती से
बेटियों पर, बहुओं पर,
उम्र की बंदिश बिना करता रहा है
अत्याचार, अनाचार
सदियों से आज तक
फिर कैसे कह दें
रावण जल गया
जिन्दा है रावण अभी भी
दस सिर नहीं
दस अवगुण बहुत है
रावण को जिन्दा रखने के लिए

व्यग्र पाण्डे
गंगापुर सिटी, (राजस्थान)

अनसुलझे सवाल?

शाम को आठ बज गए थे सुगम अभी आफिस से घर नहीँ लौटा था। पापा को विलम्ब होता देख सात साल की बिटिया रिया बेहद परेशान थीं। क्योंकि यह वक्त रिया और सुगम की आपसी बातचीत और मस्ती का होता है। सुगम के आफिस से लौटने के बाद बेटी और पापा के बीच यह रोज की दिनचर्या होती है। इस बीच सुगम की पत्नी नंदिनी रात का खाना पका लेती। लेकिन आज विलम्ब होने पर नंदिनी जहाँ खाने पकाने को लेकर चिंतित थीं वहीं रिया उसे परेशान कर रही थीं। मम देखो न ! पापा अभी आए नहीँ, आज मेरे लिए रसगुल्ले लाने को बोले थे । साथ में कहा था कि ऑनलाइन क्लास के बारे में भी बात करेंगे। सच मम, पापा कितने झूठे हैं। रिया ने माँ नंदिनी से कहा था। नहीँ बेटे ऐसा नहीँ बोलते, पापा अभी आते होंगे। हो सकता है आफिस के ज़रूरी काम से कहीँ बाहर निकल गए हों।अभी बात करती हूँ। नंदिनी ने बेटी को दिलाशा दिलाई और सुगम के मोबाइल पर फोन किया। हेलो ! नंदिनी, बस अभी थोड़ी देर में आता हूँ। आज आफिस के काम से बाहर निकल गया था। रिया तुम्हें परेशान करती होगी। उससे बोलो मैं ने उसके रसगुल्ले ले लिए हैं, बस अभी आया। नंदिनी ने सुगम के मोबाइल को स्पीकर पर रखा था। पापा की बात सुनकर रिया के उदास चेहरे पर हंसी आ गई और वह माँ नंदिनी के गले से लिपट शरारत करने लगी। तकरीब दस मिनट बाद कमरे की डोरबेल घनघना उठी। नंदिनी ने कमरे का दरवाजा खोला तो पापा को देख रिया उससे लिपटना चाहा, लेकिन माँ ने उसे पकड़ लिया।रुको बेटा अभी पापा बाहर से आ रहें हैं, देखो कोरोना चल रहा है ना अभी पापा को टच मत करो उन्हें बाथरूम में फ्रेश होने दो।

थोड़ी देर बाद सुगम फ्रेश होकर कमरे में आ गया। कपड़े बदलने के बाद उसने रिया को गोंद में उठा लिया और चूमने लगा। रिया अब सबकुछ भूल कर पापा के साथ मस्ती में खो गईं। नंदिनी टेबल पर पानी के साथ नाश्ते और रसगुल्ले रख दिए। सभी एक साथ बैठ कर नाश्ते किए और रिया मनपसंद रसगुल्ले का स्वाद लिया। सुगम और रिया की आपस में मस्ती और बातचीत कर रहे थे। तभी नंदिनी चाय लेकर आ गईं। सुगम टीवी को ऑन किया और न्यूज़ देखने लगा। अचानक रिया बोल उठी । पापा पापा ! ये गैंगरेप क्या होता है। पापा दीदी को पुलिस ने क्यों जला दिया। शेम शेम। यह सब क्या है पापा। बोलो न पापा सब क्या है। देखो ! वो टीवी वाले अंकल और आँटी दिनभर दीदी को दिखाते हैं। वो बहुत रो रही थीं। ऐसा क्यों बताओ ना। मासूम बिटिया के इस सवाल पर नंदिनी और सुगम जड़वत हो गए थे। उनके जिस्म पर जैसे किसी ने बर्फ का पानी डाल दिया हो। उन्हें काटो तो खून नहीँ। पल भर में उनके चेहरे पर हवाइयां उड़ रही थीं। टीवी स्क्रीन पर अब कार्टून दिख रहा था। लेकिन मासूम उसके सवालों का जबाब उनके पास नहीँ था।

प्रभुनाथ शुक्ल

www.womenexpress.in

मानवता की रक्षा करने शक्ति रूप राम धरा पर आये

मानवता की रक्षा करने शक्ति
रूप राम धरा पर आये ,
प्रकाश बन मर्यादा पुरुषोत्तम
सारे जगत में छाये ,
दैत्यराज लंकापति रावण इसी
काल में आया ,
एकदम से करा विध्वंस धरा
पर हाहाकार मचाया

मारता था निर्बलों को अक्ल
गई थी उसकी मारी,
ऋषियों मुनियों पर उत्पात कर
बन गया वह अत्याचारी

लंका के राज्य में अहंकारी खुद
को समझता खुदा था ,
अच्छाई और सच्चाई की हर
बात से वह जुदा था

अत्याचार और निर्ममता से
होती खुशी उसे बहुत थी ,
हर लाया सीता को कर ली
उसने मिटने की तैयारी थी ,
यहीं से आरम्भ हो गई उसके
विनाश की लीला ,
लौटा दो सीता को सबने उसे
यह समझाया था ,
बुरे काम का होता बुरा नतीजा
सबने उसे बताया था

रावण के सर पर मंडराया था
विकट काल का साया ,
देखो युद्ध भूमि में आकर पापी
,रघुपति से टकराया ,
मानवता के सम्मुख कभी न
कोई टिक पाया है ,

राम ने भी अहंकारी रावण का
अस्तित्व मिटाया है
अन्धकार का नाश कर विजय
प्रकाश का पर्व हुआ ,
साथ ही खुशियों संग घर घर
तोहफे बाटते हैं ,
गर्व से कहते हम त्योहार लाते
खुशियाँ हज़ार हैं ,
सभ्यता और संस्कृति इन
त्योहारों से झलकती हैं

नारी का करो सम्मान यह
त्यौहार सिखाता है
जिस समाज में नहीं होता है
कभी नारी का सम्मान
वह समाज कभी उन्नत विकास
नहीं कर पाता है
दशहरा पर्व अन्धकार पर
विजय का पर्व कहलाता है

सोनी गुप्ता
कालकाजी, नई दिल्ली ।

www.womenexpress.in

रावण दहन

अनन्त काल से जलाते रावण
के पुतले,
क्या राम राज्य आया, बता पगले ।
लंका विजय का करते मंचन,
राम लीला का घटता आकर्षण ।
सच कुछ है या सिर्फ़ पागलपन
पूछ रहा मन, सच बता पगले ,
क्या मिलता जला रावण के पुतले ?

घर के भीतर ही कोई जोते खेत,
निकाले तेल, ले हाथ में रेत ।
क्या रावण दहन भी मात्र संकेत,
कैसे करते काला श्वेत, बता पगले ?
रावण जन्मे हर घर, जलाते
उसके पुतले ।
रावण था दुष्ट, ठीक है उसको मारो,
उससे है रीस, ना पुतलों पर उतारो ।
पापी बचे, सजा और को, ज़रा विचारो,
जलाना है तो जला ज़िन्दा
रावण को पगले,
ख़ानापूर्ति ना कर, बन्द कर
जलाना पुतले ।

साँप तो निकल गया, क्यों
पीटते लकीर,
बता क्या योंही गिरेगी बुराई
की प्राचीर?
रावण वध के लिये कब
आयेंगे रघुवीर ?
हो गम्भीर, ना अब वक़्त
ज़ाया कर पगले,
खुद बन जा राम, ना अब
जला और पुतले ।

उषा चैनवाला
काठमांडू (नेपाल)।

www.womenexpress.in

तुम रावण हो

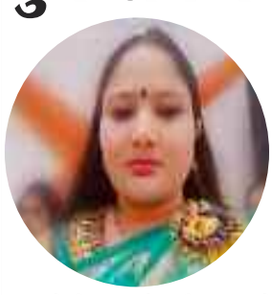

तुम भले ही बहुत बड़े ज्ञानी बन जाओ
पर यदि औरत को समझ नहीं पाते तो
तुम रावण हो
तुम भले ही बहुत सम्मानित
व्यक्ति बन जाओ
पर यदि औरत को सम्मान नहीं देते तो
तुम रावण हो
तुम भले ही बहुत बलशाली
बन जाओ
पर यदि औरत को अबला
मानते हो तो
तुम रावण हो
तुम भले ही वाक कौशल में
निपुण हो जाओ
पर यदि औरत को अपशब्द
बोलते हो तो
तुम रावण हो
तुम भले ही विकास के
आसमान को छू लो
पर यदि औरत को अपने से
नीचा समझते हो तो
तुम रावण हो
तुम भले ही उन्नति कर
आधुनिक बन जाओ
पर यदि औरत की स्थिति
दोयम दर्जे की है तो
तुम रावण हो
तुम भले ही विस्तृत मानसिकता
वाले बन जाओ
पर यदि औरत पर पाबन्दियाँ हैं तो
तुम रावण हो
तुम भले ही वैभवशाली बन जाओ
पर यदि औरत को वस्तु मानते हो तो
तुम रावण हो
तुम भले ही त्रिलोक के स्वामी
बन जाओ
पर यदि स्वयं को औरत का
स्वामी मानते हो तो
तुम रावण हो
और रावण की क्या दुर्गति हुई
थी? यह स्मरण करवाने के लिए
विजयदशमी का पर्व मनाया जाता है
भूल न जाएं हम रावण की
दुर्दशा, इसलिए हर साल रावण का
पुतला जलाया जाता है

मीना कुमारी
शालीमार बाग, नई दिल्ली ।

www.womenexpress.in

राम भी राजा थे तो रावण भी राजा था

राम भी राजा थे तो रावण भी
राजा था।
राम भी परमवीर थे तो रावण
भी महाबली था।
राम भी ज्ञानी थे तो रावण भी
महाज्ञानी था।
राम ने पति धर्म पूरा किया तो
भ्राता धर्म रावण ने।
राम ने पिता को दिया वचन
निभाया था तो,
बहन को दिया वचन रावण ने
भी निभाया था।
राम सत्य थे तो झूठा रावण भी
नहीं था।
फिर युद्ध क्यों? राम की जीत
और रावण की हार क्यों?
यह युद्ध था...
ज्ञान और महाज्ञान के सही
गलत का।
सत्य से ऊपर अति
आत्मविश्वास का।
राम नीति और रावण प्रवृत्ति का।
त्यागी राम और अहंकारी रावण का।
आइए इस दशहरे पर....
देश समाज और अपने अंदर
के रामरावण को पहचाने।
ज्ञान और बल के सही उपयोग
को जाने।
सत्य और अहंकार के भेद
को पहचाने।
बुराइयों पर अच्छाइयों के
प्रतीक को जाने।
अपना वैभव,ऐश्वर्य,उन्नति,
प्रगति,आदर्श, को पहचाने।
स्वास्थ्य प्रसिद्धि और समृद्धि
को जाने।

ठाकराराम प्रजापत
बाड़मेर, राजस्थान।

www.womenexpress.in

राम-राज को क्यों करते बदनाम

रामराज को क्यों करते बदनाम
इस रामराज का अब तक था
मैं, सुनता बड़ा बखान,
जहाँ नहीं है कोई सुरक्षित
माँ,बेटी,बहन व जवान,
इसी रामराज में लूट रहे
हैं,इज्ज़त कुछ शैतान,
फिर इसको क्यों रामराज
कह,रामराज को करते हो बदनाम
रामराज और राम सा जग में
नहीं है कोई महान ,
राम सदृश तो राम हैं
केवल,दूजा ना इंसान,
लूटपाट हत्या,बलात्का होना हो
जहाँ आम,
फिर उसको क्यों रामराज
कह,रामराज को करते हो बदनाम
नारी की लाज बचाने को,छेड़ा
जिसने संग्राम,
रावण जैसे पराक्रमी को,दिया
मृत्यु का धाम,
पर यहाँ बलात्कारियों
को,मिलता है सत्ता से सम्मान,
फिर इसको क्यों रामराज
कह,रामराज को करते हो बदनाम
राम सभी के परम् पूज्य हैं,राम
हैं गुण की खान,
इस कलयुग में कल्पना मात्र
है,रामराज सा जहान,
जहाँ हक की खातिर डंडे खाते
हों,बेबस छात्र और किसान,
फिर उसको क्यों रामराज
कह,रामराज को करते हो बदनाम
जहाँ सीता रौंदी जाती हों,नहीं
बचाते राम,
जहाँ पंचाली का चीरहरण
हो,आते नहीं हैं श्याम,
ऐसे राज को कैसे हम कह दें
रघुनन्दन धाम,
फिर इसको क्यों रामराज
कह,रामराज को करते हो बदनाम

बजरंगी लाल
आजमगढ़, उत्तर प्रदेश ।

www.womenexpress.in

विजयादशमी

विजयादशमी का पावन महा
पर्व है आया,
जीत हुई है सत्य की,असत्य
बहुत घबराया!
धरती पर रावण ने अपना
अत्याचार बढ़ाया,
लंका में जाकर श्रीराम ने
उसको मार गिराया!
था शिव का परमभक्त,पंडित
बड़ा ही ज्ञानी था,
दस सिर,बीस भुजाएँ
लंकापति अभिमानी था!
छलबल से हरी जानकी,
करूर नीचता दिखलाया,
लंका सारी भस्म हुई, अपना
ही कुनबा मरवाया!
पापी, अत्याचारी, दुष्ट,
दशानन, अपनी जान गंवाया!
लौटे राम अयोध्या नगरी,
प्रजा ने फूल बरसाया!

श्वेतल नितिन बेथारिया
अमरावती,
महाराष्ट्र!

नवदुर्गा

पर्वतराज हिमालय की पुत्री
शैलपुत्री माता कहलाई
वृषभ सवारी करती मैया
प्रथम दिवस को आई
ब्रह्म समान आचरण वाली
मां ब्रह्मचारिणी कहलाई
अक्षमाला कमंडल धारे तपस्विनी
द्वितीय दिवस को आई
शांतिप्रिय कल्याणी मैया
चंद्रघंटा सुवर्णी कहलाई
खड़ग खप्पर ,करे सिंह सवारी
माँ तृतीय दिवस को आई
अष्टभुजा कुम्हड़े की बलि प्रिय
माँ कूष्मांडा कहलाई
अमृत कलश शंख चक्र धरे
तेजस्विनी चतुर्थ दिवस को आई
मोक्षदायिनी स्कंद कुमार की माता
स्कंदमाता कहलाई
शुभ्र वर्ण कमल पुष्पधात्री
पर्वतवासिनी पंचम दिवस को आई
रोग शोक संताप भय हरणी
माँ कात्यायनी कहलाई
पापनाशिनी तलवार लिए
मंगलकारी षष्ठ दिवस को आई
बिखरे केश भयावह रूप
शक्ति कालरात्रि माता कहलाई।
वृषभ सवारी करती मैया
विद्युत सी सप्तम दिवस को आई
गौर वर्ण चतुर्भुजी श्वेतांबरधरा
माँ महागौरी कहलाई
आठ वर्ष आयु वाली अन्नपूर्णा
चैतन्मयी माँ अष्टम दिवस को आई
अणिमा,महिमा गरिमा,लघिमा
प्राप्ति ,प्रकाम्य ,ईशित्व ,वशित्व
दात्री मां सिद्धिदात्री कहलाई
शंख चक्र गदा कमल पुष्प धरे
संपूर्ण सिद्धि लिए माँ नवम्
दिवस को आई
जय माता दी

शिवानी त्रिपाठी
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।

www.womenexpress.in

माता कात्यायनी

जग की रक्षा करने वाली माँ दुर्गा,
कल युग में जन्म हुआ रुप बदल कर
छटवाँ दिन कात्यायनी रुप लेकर,
दानवदल ,महिषा सुर का वध कर।।
पूजा, अर्चना करते माँ
के सुबहशाम,
लाल चुनरिया चढ़ा तन,
मन अर्पित ।
कात्यायनी माता रानी के दरवार में,
भक्त जनो अम्बे के चरणों
में समर्पित।।
दुर्गा माँ की अजब है रुप है निराली,
भक्त जनो की करती माँ रखवाली।
अत्याचारों की संहार करती हैअम्बे,
कोई पूजते नव दुर्गा
कोई भद्र काली।।
दरवार में भीड़ लगी है
माता रानी के,
करते हैं गुणगान पंड़ा और पुजारी।
सुख, समृध्दि ,बुध्दि व शांति
मिलती है,
विराज मान होती है माँ सिंह सवारी।।
हाथ जोड़ कर विनती करते
भवानी के,
होती जय कार सभी बजाते ताली।
सच्ची भक्ति भावना करने से मिलती,
भक्तो के भरती झोली न
कोई खाली। ।
टीप मेरा यह रचना मौलिक,
अप्रकाशित एवंअप्रसारित है।

देबीदीन चन्द्रवँशी
अनूपपुर, मध्य प्रदेश ।

www.womenexpress.in

जय माता दी

नव रूप नव स्वरूपा
देवी जग से दुःख हरो ना....
करते हम सब तुमरी वंदना
छाये काल अब कोरोना हरो ना....
जग मे फैली तुम्हारी माया
फिर भी लुटती नारी काया....
जागो माँ अम्बे जागो जगदम्बे
बढ़ते पाप को नाश करो ना....
नौ रूपों की नौ महिमा
बनकर सृष्टि मे वास करो ना....
नव रूप नव स्वरूपा
देवी जग से दुःख हरो ना....
नव रूप नव स्वरूपा
देवी जग से दुःख हरो ना....

सरिता श्रीवास्तव
आसानसोल (पश्चिम बंगाल)।

मां सब को तेरी टेक

नौ रूप तेरे हैं माता सब से बढ़
कर एक हैं।
तू सब की सुनती माता तेरे
भक्त अनेक हैं।
नवरात्रों की उज्ज्वल वेला है
मनोहारी मां,
शीश झुकाते दर पे तेरे सब को
तेरी टेक हैं।
रिद्धि सिद्धि की दाती भक्तों का
उद्धार करे।
दुख रोग संताप हरती खुशीयाँ
आपार करे।
मिन्नते तुम से मागें सब की
झोलीयाँ भरे मां,
खाली दर से कोई न जाए सब
से प्यार करे।
है कृपालू है दयालू इस जग
की जननी मां।
हर विपदा पर साथ निभाए है
कष्टहरनी मां।
हम बच्चों पर कृपा करो हमें
तेरा सहारा है,
भक्तों के कष्ट निवारे तू ही जग
तारणी मां।
आज इस जग में मैया आई
विपदा भारी है।
दरिंदों के हाथ लम्बे उत्पीड़न
होती नारी है।
बच्चियों का शोषण होता
दरिंदगी बढ़ रही,
दुष्टों का नाश करो चौं ओर
फैली लाचारी है।

शिव सन्याल
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

www.womenexpress.in

श्रद्धा का पर्व नवरात्रि

आओ सारे मिलकर के
माता को शिष नवाये
ढोल मजिरो के संग मिलकर
सुंदर भजन का गान करें
महिषासुर मर्दनी को
आओ आज प्रसन्न करें
जनजन के कल्याण हेतु
माता दी का वंदन करें
आओ प्यारे सारे आओ
श्रद्धा का पर्व नवरात्रि मनाओ

विनोद कुमार
मुंबई ।

माता के दरबार में

सच्चा सुख मिलता है माता के
दरबार में....
सच्चा सुख मिलता है माता के
दरबार में....
दुनिया के सारे ऐशो आराम
देख लिए
धन दौलत के तराजू में भी
तोल लिए
ऐसा सुख नहीं मिलता और
कही संसार में ।।
जैसा सुख मिलता है माता के
दरबार में...
झूठे लगते हैं दुनिया के सारे
रिश्ते नाते
मोह माया के जाल में हैं
मुझको भरमाते
तेरी सच्ची भक्ति दिखती
दुनिया के बाजार में
सच्चा सुख मिलता है माता के
दरबार में....
हर माँ के ह्रदय में भी तो तू
नज़र है आती
सारी सृष्टि को भी तो माँ तू ही
चलाती
सारे देव दानव भी हैं माँ तेरे
अधिकार में
सच्चा सुख मिलता है माता के
दरबार में...
अब तो आजा माँ होकर शेर
पर सवार
लगा ले गले बेटी को अपनी
बाहें पसार
कब से बैठी हूँ मैं माँ तेरे
इन्तजार में
सच्चा सुख मिलता है माता के
दरबार में...
ऐसा सुख नहीं मिलता और
कहीं संसार में...
जैसा सुख मिलता है माता के
दरबार में...

गीतांजलि, गीत

www.womenexpress.in

मां का निशब्द आग्रह...

दरबार तेरा सजाया है,
अम्बे मां तू कहां है,
घर आंगन पुष्पों से महकाया है,
स्वागत में तेरे
नैनों को बिछाया है, मन अपना तेरे
नौ रूप में लगाया है।
जब तेरे दर पर आयी थी,
तू तब शायद खफा थी,
माना वो बुरा वक्त गया,
वो सितम सारे गये,
पर अब तू मेरी झोली में,
थोड़ी कृपा भर दे।
मां तुम्हें हर रोज देख कर,
आंख क्यों भर आती है,
मानो सबकी बुरी नजरें,
सहम कर डर जाती है,
भाव विभोर हो जाती हूं,
तेरे संग ऐसा नाता है,
वापसी में मुझे हर पल,
विदाई सा गम सताता है।

अंशिता दुबे
लंदन ।

www.womenexpress.in

किलकारियाँ

माँ कितनी खुश है होती
सुनती जब वो किलकारियाँ
वो हँसती, वो भी खिलती
हर पल को जीभर जीती।
माँ कितनी खुश है होती
सुनती जब वो किलकारियाँ।।
दर्द लाखों वो है सहती
चुपचुप सी हो वो जाती।
बातें मन में कितनी रखती
सपने कितने बुनती।
कभी सोती,सोते भी जगती
सुनती जब बच्चे की किलकारी
माँ कितनी खुश है होती
सुनती जब वो किलकारियाँ।।
रब से अपने रोज़ दुआ करती
सलामती की अर्ज़ी रखती।
नज़र लगे ना जान को नन्ही
अँखिया है जो बाट जोहती।
और कहती गूंजेगी कब घर मेरे
वो मधुरिम किलकारी
माँ कितनी खुश है होती
सुनती जब वो किलकारियाँ।।
कितना हंसी पल वो होगा
सपना सच जब होगा
आरजू मेरी पूरी होगी
निखरूँगी सूरत तेरी
जब चंदा उतरेगा जमीं पर
सुनूँगी मै किलकारी।।
माँ कितनी खुश है होती सखि
सुनती जब वो किलकारियाँ।।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।

www.womenexpress.in

मुश्किल में मुस्कान

जीवन की ये रीत अटल है
सुखदुःख आए एक समान
रूखीसूखी खा लेना फिर भी
ना करना मगर मुख म्लान
हो पथ गहन तिमिर भले ही
रखना मगर दिशा का भान
खिलते रहना पुष्पसा हर पल
न खोना मुश्किल में मुस्कान
माना जीवन जटिल हुआ है
समयगति भी कुटिल हुआ है
सपनों की साँसें हैं मद्धम
उम्मीदउमंग चोटिल हुआ है
बाधाअग्नि में जलकर ही
नभ रविसा चमका है इंसान
न खोना मुश्किल में मुस्कान
खुशियां दरदर भटक रही हैं
पीर गहन घन नभ छाया है
भूत भय का दृग भरमाए
समय विकट विचल आया है
संघर्षों से अविचलित होकर
पर्वत बना गिरिराज महान
न खोना मुश्किल में मुस्कान

अर्चना गुप्ता
कुआड़ी, अररिया, बिहार ।

www.womenexpress.in

माँ अम्बे

यही विनती करूँ दुर्गे, सदा
सुखछाँव में रखना
न हो कोई भी ग़मपीड़ा,मुझे उस
गाँव में रहना
न मुश्किलदर्दकठिनाई कोई इस
भक्त पर आए
यही है बंदगी अम्बे,दया कर
ठाँव में रखना।
हर इक नारी है माता रूप,पर
दुष्कर्म क्यों होता
यहां सज्जनदयालुसत्यवादी
नित्य क्यों रोता
सुनो दुर्गाभवानीकालमाता,तान
दो भृकुटि,
बताओ आज क्यों कामी,
नराधम चैन से सोता ।
बहा दो प्यार की गंगा,मेरा मन
नित्य हो चंगा
कोई इंसान धरती पर,करे ना
कोई भी दंगा
सभी का आचरण इंसानसा
हो,हों नहीं दानव,
रहें सब सभ्यतापूरित,कोई भी
हो नहीं नंगा।
करोना हँस रहा,इंसान
रोता,काल कैसा यह
फँसा इंसान पापों में,हटाओ
जाल कैसा यह
नारियाँ बन गईं काया,प्रदर्शन
बिक रहा है नित,
मॉडलिंगफिल्मटीवी में,नार का
हाल कैसा यह ।

(डॉ) शरद नारायण खरे
मंडला, मध्य प्रदेश ।

www.womenexpress.in

प्रेम हृदय से

प्रेम हृदय है अविरल धार,
जबजब मिलत मन का उद्धार,
नहीं कोई है तन के पास
एक आहट है बस चुपचाप।
धीरेधीरे चुपकेचुपके
रात रंजनी आई पास,
लहर उठी हृदय में अपार
महक उठा तन का उद्गार ।
प्रेम हृदय प्रेम की आस
एक भाव मन का विश्वास,
सब कुछ देह त्याग मन काम ।
डूब समुंदर तैरकर पार
मुक्त हुआ मन का उद्गार
हे चिराग मन कर उद्धार
प्रेम हृदय प्रेमी के पास
कर मानव मानव उद्धार ।

प्रिंस रस्तोगी
लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

जोत जलाओ मैया

जीवन सबका सुखमय कर दो
मन दर्पण हो जाए मैया ,
एक नहीं सबके अंतस में
प्रेम की जोत जलाओ मैया ।
जीवन सबका सुखमय....
झूम उठे कुसुमय डाली से
ऐसा तुम श्रृंगार करो ,
दीप जले सबके बिन बाती
ऐसा कुछ उपकार करो ।
जीवन सबका सुखमय ....
गागर भर दो भक्ति के जल से
प्यासा ना कोई जीव रहे ,
प्रेम ही छलके इस गगरी से
बस तुझसे ही प्रीत रहे ।
जीवन सबका सुखमय....
मेरे इस जीवन पर मैया
थोड़ा तुम विश्वास करो ,
श्वांसों की आवाजाही में
बस तुम ही अब वास करो ।
जीवन सबका सुखमय...

कार्तिकेय त्रिपाठी
इन्दौर ।

अभिलाषा...

दमित मनोरथ घातक होते!
मनुज न त्याग सके, निज भाव,
सुकर्म, सदा हित साधक होते!

जीवन यापन, सहज सरल हो,
नशा पान उन्मादक होते!
मात पिता के पास रहे सुत,
कर्मशील प्रतिपादक होते!
सभ्य समाज सदा उन्मुख हो,
स्वच्छ विचार उपासक होते!
वैमनस्य का भाव तिरोहित,
स्नेह प्रेम जग व्यापक होते!

पद्म मुख पंडा
रायगढ़, छत्तीसगढ़ ।

www.womenexpress.in

सनराइजर्स की रॉयल्स पर आसान जीत

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

दुबई, 23 अक्टूबर । मनीष पांडे की आकर्षक पारी और विजय शंकर के साथ उनकी अटूट शतकीय साझेदारी से सनराइजर्स हैदराबाद ने गुरुवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को आठ विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदें बनाये रखी। सनराइजर्स के सामने 155 रन के लक्ष्य के सामने अपने दो प्रमुख बल्लेबाज शुरू में ही गंवा दिये थे लेकिन पांडे ने 47 गेंदों पर चार चैकों और आठ छक्कों की मदद से नाबाद 83 रन बनाये। उन्होंने और शंकर (51 गेंदों पर नाबाद 52) ने समझदारी भरी बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिये 140 रन जोड़कर अपनी टीम को 18.1 ओवर में दो विकेट पर 156 रन तक पहुंचाया। सनराइजर्स की यह दस मैचों में चैथी जीत है और उसके रॉयल्स के समान आठ अंक हो गये हैं। रॉयल्स ने हालांकि उससे एक मैच अधिक खेला है और इसलिए

प्लेऑफ की उसकी राह अधिक मुश्किल हो गयी है। रॉयल्स के अधिकतर बल्लेबाजों ने क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने के बाद विकेट गंवाया और वह आखिर में छह विकेट पर 154 रन तक ही पहुंच पाया। उसकी तरफ से संजू सैमसन (26 गेंदों पर 36) ने सर्वाधिक रन बनाये जबकि बेन स्टोक्स ने 32 गेंदों पर 30 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली। वर्तमान सत्र में अपना पहला मैच खेल रहे जैसन होल्डर ने सनराइजर्स की तरफ से 33 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि राशिद (20 रन देकर एक) और विजय शंकर (तीन ओवर में 15 रन, एक विकेट) ने कसी गेंदबाजी करके उनका पूरा साथ दिया। इसके बाद जोफ्रा आर्चर (21 रन देकर दो) ने डेविड वार्नर (चार) और जॉनी बेयरस्टॉ (10) को लगातार ओवरों में आउट करके सनराइजर्स का स्कोर दो विकेट पर 16 रन कर दिया था। वार्नर ने दूसरी स्लिप में कैच दिया तो बेयरस्टॉ के पास उनकी इनस्विंगर का कोई जवाब नहीं था। पांडे हावी होकर खेलने की स्पष्ट मानसिकता के साथ मैदान पर उतरे थे। आर्चर के आक्रमण से हटने के बाद स्टोक्स और कार्तिक त्यागी पर दो दृ दो छक्के जड़कर उन्होंने पावरप्ले में स्कोर 58 रन पर पहुंचाया। जब स्पिनर दबाव बना रहे थे तब उन्होंने श्रेयस गोपाल पर छक्का लगाया और 28 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। स्टीव स्मिथ ने आर्चर को दूसरे स्पैल के लिये तब बुलाया जब बल्लेबाज क्रीज पर पांव जमा चुके थे। आर्चर ने डैथ ओवरों से पहले अपना कोटा पूरा कर दिया।

कंगना रनौत ने आमिर खान पर साधा निशाना लक्ष्मीबाई और सावरकर से की खुद की तुलना

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 23 अक्टूबर । अभिनेत्री कंगना रनौत अपने बेबाक बयानों के कारण मुश्किलों में फंसती नजर आ रही हैं। मुंबई के एक कोर्ट में कंगना के खिलाफ एक और शिकायत दर्ज की गई है। यह शिकायत कंगना के मुंबई शहर और मुंबई पुलिस के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए दर्ज की गई हैं।

इससे पहले कंगना रनौत के खिलाफ बांद्रा कोर्ट में शिकायत दर्ज की गई थी। उसके बाद मुंबई पुलिस ने कंगना और उनकी बहन के खिलाफ देशद्रोह और सांप्रदायिक सद्भाव का मामला दर्ज किया था। अब कंगना ने इन सभी मामलों पर चुप्पी तोड़ते हुए खुद की तुलना लक्ष्मीबाई और सावरकर से की है। कंगना ने अपने ट्वीट में चुप्पी के लिए अभिनेता आमिर खान पर निशाना भी साधा है। कई विवादों में फंसती अदाकारा ने अपने खिलाफ

दर्ज शिकायत पर प्रतिक्रिया देने के लिए शुक्रवार को ट्विटर का सहारा लिया। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने शुक्रवार को ट्विटर पर लिखा'जैसे रानी लक्ष्मीबाई का किला तोड़ा था मेरा घर तोड़ दिया, जैसे सावरकर जी को विद्रोह के लिए जेल में डाला गया था मुझे भी जेल भेजने की पूरी कोशिश की जा रही है, इंटॉलरैंस गैंग से जाकर कोई पूछे कितने कष्ट सहे हैं उन्होंने ने इस इंटॉलरैंट देश में?' साथ ही कंगना ने इस ट्वीट में आमिर खान को टैग किया। कंगना रनौत ने एक और ट्वीट किया'कैंडल मार्च गैंग, अवार्ड वापसी गैंग देखो, यही होता है कि फांसीवाद विरोधी क्रांतिकारियों के साथ क्या होता है, न कि आप सभी की तरह तुमको कोई पूछता भी नहीं, मुझे देखो मेरे जीवन का एक मतलब महाराष्ट्र में असली फांसीवादी सरकार से लड़ना है, जो तुम्हारी तरह धोखाधड़ी नहीं है।' बता दें कि इससे पहले कंगना रनौत के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी जिसमें कहा गया था कि कंगना और उनकी बहन धार्मिक भावनाओं को भड़काकर सोशल मीडिया के जरिए सांप्रदायिकता फैला रही हैं। इस मामले में मुंबई पुलिस ने कंगना रनौत और उनकी बहन रंगोली चंदेल को समन भेजा है। मुंबई पुलिस ने कंगना और रंगोली को 26 और 27 अक्टूबर को जांच अधिकारी के सामने पेश होने को कहा है। कंगना रनौत ने हाल में ओटीटी प्लेटफॉर्म की तुलना पॉर्न वेबसाइट से की थी।

मेरे लिये यह मैच करो या मरो जैसा था: विजय शंकर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

दुबई, 23 अक्टूबर । आलराउंडर विजय शंकर ने कहा कि उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच को अपने लिये 'करो या मरो' की तरह लिया था तथा वह जानते थे कि बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन करने पर ही वह सनराइजर्स हैदराबाद के अंतिम एकादश में अपना स्थान बचा सकते हैं।

मनीष पांडे (नाबाद 83) और शंकर (नाबाद 52) के बीच तीसरे विकेट के लिये 140 रन की अटूट साझेदारी की मदद से सनराइजर्स ने रॉयल्स के खिलाफ आठ विकेट से जीत दर्ज की। इससे उसके 10 मैचों में आठ अंक हो गये हैं और पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। शंकर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''अगर मैं व्यक्तिगत तौर पर बात करूं तो यह मेरे लिये करो या मरो जैसा मैच था। मैं इस मैच को इसी तरह से ले रहा था। मैं बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था और इसलिए मुझे इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करना था। दुर्भाग्य से कहो या सौभाग्य से हमने शुरू में दो विकेट गंवा दिये और ऐसे में टीम ने मुझे ऊपरी क्रम

में बल्लेबाजी के लिये भेज दिया। '' गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करने वाले शंकर ने कहा कि टीम को पिछले दो मैचों में भी जीत दर्ज करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, ''हमने अंतिम क्षणों में वे मैच गंवाये। इस तरह की जीत से टीम के हर सदस्य का मनोबल बढ़ेगा। हम बाकी मैच जीतकर टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदें बरकरार रख सकते हैं। '' शंकर ने कहा कि सनराइजर्स के दो विकेट गंवाने के बाद उनकी योजना लंबी साझेदारी निभाने की थी।

उन्होंने कहा, ''मनीष वास्तव में शुरू में गेंद को अच्छी तरह से हिट कर रहा था। मैंने असल में इस पारी से पहले इतनी अधिक गेंदों का सामना नहीं किया था। मैंने इस पारी से पहले केवल 18 गेंदें खेली थी इसलिए मेरे लिये उसका अहसास महत्वपूर्ण था। (जोफ्रा) आर्चर तेज गेंदबाजी कर रहा था और इसलिए मेरे लिये विकेट पर टिके रहना महत्वपूर्ण था। '' राजस्थान रॉयल्स के अब 11 मैचों में आठ अंक हैं और वह सातवें स्थान पर है। उसके मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा कि टीम के लिये अब बेहद सरल समीकरण हैं कि वह बाकी बचे तीनों मैच जीते और अन्य मैचों में अनुकूल परिणाम की उम्मीद करे।

फिल्म आरआरआर में जूनियर एनटीआर के किरदार का फर्स्ट लुक जारी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 23 अक्टूबर । बाहुबली निर्देशक राजामौली की फिल्म आरआरआर में जूनियर एनटीआर के किरदार का फर्स्ट लुक जारी हो गया है। एनटीआर के किरदार का नाम भीम है। टीजर काफी दमदार है और रोंगटे खड़े करने वाला है। आरआरआर का पूरा नाम रौद्रम रणम रुधिराम है, जिसमें जूनियर एनटीआर के किरदार का पूरा नाम कोमाराम

भीम है। कोमाराम भीम स्वतंत्रता सेनानी थी, जिनके बारे में राजामौली ने बताया था कि उन्होंने पारम्परिक तौरतरीकों से शिक्षा हासिल नहीं की थी और जवानी में ही अपना गांव छोड़कर चले गये थे। लेकिन, जब वापस आये तो पढ़ेलिखे व्यक्ति थे। उन्होंने आदिवासियों के लिए निजाम के शासन के ख़िलाफ जंग छेड़ी थी। उन्होंने गुरिल्ला युद्ध शैली अपनायी थी और बाद में अंग्रेजी हुकूमत के ख़िलाफ लड़ते हुए शहीद हुए थे। टीजर के दृश्यों के माध्यम से भीम के किरदार की असीमित ताकत और इच्छाशक्ति को प्रदर्शित किया गया है। जंगल की विषम परिस्थितियों में उसे भागतेदौड़ते दिखाया गया है। उसे समंदर को रोकने की क्षमता वाला कहा गया है। टीजर से फिल्म की विहंगमता और विशाल कैनवास का एहसास हो जाता है, जिसके लिए एसएस राजामौली जाने जाते हैं।

नारी जग का कल्याण करती है...

नारी होती सच में महान..
होती है धैर्यवान व शीलवान..
जीवन में बहु किरदार निभाती है...
जननी, सुता, भगिनी..
और भार्या बन जाती है..
आँखों से बहता रहता पानी
पर नारी उफ़ न करती है..
इसलिए नारी पूजी जाती है...
नारी ही मनुज को इस सृष्टि में लाती है
इक नारी ही माँ यशोदा बनकर..
प्रभु कृष्ण का पालन पोषण करती है
माँ जीजाबाई शिवाजी को
छत्रपति बनाती है..
सदुण व संस्कार दे पुरषोत्तम बनाती है
फ़िर भी क्यूँ! नारी जलाई जाती है
रात रात जगकर बच्चे को दूध पिलाती है..
अपने तो वह भूखा रह सो भी जाती है..
कभी सावित्री बन पति को वापस लाती है..
इतना करने के बाद भी नारी
क्यूँ! दुत्कार पाती है...
हर युग में जब असुरों का बढ़ जाता है अत्याचार..
अधर्म व अनीति से समाज में
मच जाता है हाहाकार..
इक नारी ही माँ जगदंबे का
लेकर अवतार..
राक्षसों का करती विनाश करके प्रहार
नारी सच में जग का कल्याण करती है
लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

प्रेम प्रतीक्षा दैदीप्यमान

अंतस उद्वेलित स्मृति स्पंदन,
महक रहा है मन जैसे चंदन।
प्रणयकोकिल करती क्रन्दन,
आ जाओ सब तोड़ के बंधन।

कब इन्तजार का होगा अवसान ।
हृदय प्रेम प्रतीक्षा दैदीप्यमान ।।

स्मृति में हैं सब स्वप्न सिन्दूरी ,
क्लान्त करे मन तुमसे दूरी ।
अंतर उत्कंठा न रहे अधूरी ,
चातक, पावस आस हो पूरी।
कभी दो दिल थे हम एक प्राण।
हृदय प्रेम प्रतीक्षा दैदीप्यमान ।।

अति हृदय आनद्ध है गुंजित,
मननिकुंज सुरभित, पुलकित ।
प्रणय मंजरी हिय आनंदित,
भाव, मिलन आस में हर्षित ।

हमने बहुत गाये यादों के गान ।
हृदय प्रेम प्रतीक्षा दैदीप्यमान ।।

भाव मंदर जलधर मंडराते,
स्मृति विहंग गीत नव गाते।
उर किसलय रह रह शरमाते ,
स्वप्न , मंजुल इन्द्रधनुष बनाते।

गुंजित कब से मनवीणा तान ।
हृदय प्रेम प्रतीक्षा दैदीप्यमान ।।
एस पी दीक्षित
शुक्लागंज, उन्नाव
उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

कैसे उसने गीत लिखा

क्या जानो तुम उसकी पीड़ा
कैसे उसने गीत लिखा।
प्रसव वेदना को सहकर
शब्दों का मनमीत लिखा।

गांठें जब सुलझी न होगीं
व्यथित हुआ होगा ये मन।
दो नैनों के करुण द्वार से
अश्रु छलके निमित्त नयन।

सृजन व्यथा को झेलकर
वर्णों का यह खेल रचा।
प्रसव वेदना को सहकर
शब्दों का मनमीत लिखा।
क्या जानो तुम उसकी पीड़ा
कैसे उसने गीत लिखा।
मन हृदय जब रोया होगा
छिटका होगा अंतर प्रेम।
संवेदनाओं की सीढ़ी पर
तनमन शीतल जैसे हेम।

भावों के उद्गम में ढलकर
सेतुबंध सा गीत बना।
प्रसव वेदना को सहकर
शब्दों का मनमीत लिखा।
क्या जानो तुम उसकी पीड़ा
कैसे उसने गीत लिखा।

जीवन दर्द में डूबकर
अकंठ भीगा होगा स्वर।
दंश मौन का ठेलकर
उत्पत्ति को मचला अक्षर।

मनवीणा के तार जोड़कर
पंक्तिपंक्ति गीत रचा।
प्रसव वेदना को सहकर
शब्दों का मनमीत लिखा।
क्या जानो तुम उसकी पीड़ा
कैसे उसने गीत लिखा।

निशा नंदिनी भारतीय
तिनसुकिया, असम ।
www.womenexpress.in

मैं तेरी परछाई हूँ

माँ मैं तेरी परछाई हूँ
जो देखा है दुनिया में
सब देख भरमाई हूँ
तू ही एक माँ तू मेरी
जो सच्ची दिशा दिखाई है।

जब जब तेरी बातों को
मैंने गले लगाई है,
हुआ सुकून मेरे उर को
भ्रमित कभी ना हो पाई हूँ।

जीवन का मूलमंत्र
सब तुमने ही तो सिखाई है,
दुख सुख में भी धैर्य रखना
तेरे से सीख पाई हूँ।
सलीके से सजना,बोलना
हर हाल में प्रफुल्लित रहना
कभी अकेले जीना होगा
कभी अपनो का संबल होगा।
तूने ही समझाई है।
दुख में अँधेरे ही होंगे
सुख में खिलते किरणें होंगे
कहीं मान्यताओं की शिला मिलेगी
कहीं भावनाओं का कत्ल भी होगा।
माँ तूने ही बताई है।

जहाँ डूबती होगी नैया तेरी,
मेरी परिछाई तेरे संग में होगी।
मत घबराना लाढो मेरी।
बहने मत देना भावों के मोती
दृढ़ शिखर तुम बन जाना
प्रकृति का हर कण तो, होता है
गतिमान सदा।

हे माँ मैं कभी भ्रमित ना होऊँ,
देना ये वरदान तू माँ,
मैं तो तेरे पद चिन्हों को
सत्कर्मों से करूँ उद्धार तेरा
माँ मैं तेरी परछाई रहूँ,
करना कोई उपकार जरा।
रानी प्रियंका वल्लरी
बहादुरगढ, हरियाणा ।
www.womenexpress.in

कोरोना और भारत शौर्य

फिर से सतयुग आएगा ,
भारत विश्व विजेता कहलाएगा ।।
कोरोना का कहर पडोसी देश
बरसाएगा ।
जनता कर्फ्यू वायरस की चैन
तोड़ पाएगा।

फिर से सतयुग आएगा,
भारत विश्व विजेता कहलाएगा ।।
तीसरा विश्व युद्ध बायो वॉर ही
जाना जाएगा ।
संसार में हा हा कार मच जाएगा ।
एक वायरस लाशो के ढ़ेर लगाएगा ।
फिर से सतयुग आएगा,
भारत विश्व विजेता कहलाएगा ।।
भारत विश्व गुरु का ओहदा पाएगा ।

भारत की संस्कृति हर देश
अपनाएगा ।
नमस्ते को अपने आचरण में
हर कोई लाएगा ।
फिर से सतयुग आएगा,
भारत विश्व विजेता कहलाएगा ।।

हर कोई अपने घरो में छिप जाएगा,
झरोखे से नजरे फहराएगा ।
हिंदुस्तान फिर से हिन्दू संस्कृति
अपनाएगा ।
राम मंदिर का कार्य चला है ,
राम राज्य भी आएगा ।
फिर से सतयुग आएगा ,
भारत विश्व विजेता कहलाएगा ।।
प्रिया चारण
उदयपुर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

चला मैं कवि सम्मेलन यार...

चिंटू के पापा,
आज का बात है,
बड़ा चेहरे पर गौर फरमाई रए हो,
खुद ही सेव बनई रए हो,
का कहीं, निमंत्रण पर जाई रए हो ?
पर ई कोरोना में कौन पगलवा
तुम्हें है बुलाई,
जा बात न समझ आई
अरी भागवान ! क्यों खामखा,
दिमाग के घुडवा, दौड़ाई रई हो,
ऊ का है न आज.....

हम एक कवि सम्मेलन में
सादर निमंत्रित हैं,
हाय दइया ! सेनेटवा को
अपना किताबन के झोला में रखी,
मुंहढका को,
औ का क़हत हैं. ऊ दस्ताना
पहनी का,
फिर हम निकली के देत तुमे,
हाँ ! चिंटू के पापा
चलो हम तुहार कपड़ा रेडी
करत हैं जाके,

अरे रे रे ....अब का करे हम
तुहार दिमाग का,
अरे चिंटू की अम्मा,
हम कहीं नाहिं बाहर जा रहे,
घर सेईं, ई बैठका से, अपने
लेपटुपवा सें
हम पौंच जहींएँ ऑनलाइन,
तुम चुपचाप देखबा, बीच में
बोलि का नाहिं,
जा बात हमाईं समझ सें बाहर है,
ऐसेंकैसे तुम बैठी हियाँ सें
पौंचबी,
ऑनलाइन तो हम भी सुनीं हैं
बहुत टीबी मां,
बिजली पाईप लाइन सें आत
तौ ऑनलाइन,
नल पाईप सें आत, तौ
ऑनलाइन,
घर में खटका ऑन करो सब
चालू होई जात
पागल न समझीं हमें,
हां स्कूल नाहिं गए पर सब
समझीं हौं
चिंटू के पापा तुम सो काहे गए,
तनिक हम भी तौ देखें के
ई लेपटुपवा की पतली सी
पाइप सें, तार सें,
जा की भीतर तुम दिखाओ हमें,
कौनसों खटका हम ऑन करीं
अरे उठो तनक.....जे तो सो गए
अब जब उठीं तब
डांटिबें.....कि,
चिंटू की अम्मा तुमने देर करा दई

भावना मिलन, अरोरा
कालकाजी, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

आखिर कुसूर क्या था?

आसान नहीं रहा होगा उसके लिए,
ज़िन्दगी से मौत का ये सफ़र,
पल पल मरी होगी,
अपनों को पुकारा होगा,
उम्मीद से भरी नज़रों से,
चारों ओर निहारा होगा,
शायद आज फिर कोई कृष्ण,
कोई हनुमान आ जाए कहीं से,
बचा के लाज उसकी, रक्षा करे जो,
लगाकर आग उनका नाश करे जो।
चीरने सीना उनका कोई तो भीम आए,
मारकर उनको जो आ गिराए,
पर ये सब तो हैं कही सुनी बातें,
ना इनका प्रमाण कोई,
न इनसे कोई जीत पाए,
दरिंदगी और हैवानियत से भला,
कैसे कोई पार पाए,
चीखती आँखों के आंसू,
कैसे भला कोई पोंछ पाए।
बेबसी का मंज़र दूर तक फैला पड़ा है,
इसके आगे भला कोई बचा है?
एक तो थी वो बेटी,
ऊपर से गरीब,
और नीची जात की भी थी,
दुर्भाग्य का ये चक्र,
भला कैसे कोई भेद पाए?
रुदन और क्रंदन तक भी उसका न,
किसी तक पहुंच पाए।
लड़ाई ज़िन्दगी से मौत की भारी पड़ी है,
उसके आगे वो बेटी,
बेबस और लाचार खड़ी है,
लडी पल पल भले पर,
जीत मृत्यु, हैवानियत,
और दरिंदगी की हुई है।
वो देकर प्रश्न हमारे सामने,
हाशिए पर आ खड़ी है!
करके शर्मसार हमको,
पूछती न जाने क्या क्या?
थी गलती क्या मेरी?
जो मुझको मिली इतनी बड़ी सजा है?
मैं ही जन्म देती,
और मैं ही पूजी जाती,
फिर भी सदियों से मैं ही,
पुरुषों के द्वारा रौंदी जाती।
घमंड ताकत पे अपनी करता है,
वो आज इतना,
प्रताड़ित करके मुझको,
ठोकता है सीना अपना।
क्यूं भूलता तू कि,
पुरुष तुझको है मैने ही बनाया,
झेलकर दर्द,
अपने खून से सींचा है तुझको।
क्या एक पल के लिए तुझको,
न ये तक ख्याल आया,
तेरी जननी ने है तेरे लिए अपना,
सब कुछ गवाया।
भूलकर उसके एहसानों को,
तू उसका ही आज क्यूं दुश्मन हुआ है?
वही माता, वही बहन, वही प्रेमिका,
वही पत्नी और वही बेटी हुई है,
सभी रूपों से उसके ये सृष्टि सजी है।
ये मत भूल की तेरी हस्ती,
उसकी से है,
विस्मृत होता तुझमें तेरा,
सर्वस्व स्त्री से है ।।
डॉ0 दीपा
दिल्ली विश्वविद्यालय ।

बेटियों के लिये आवाह्न

छोड़ो अब शास्त्रों की शिक्षायें,
इनको शस्त्र उठाने दो!!

छोड़ो परियों की गाथायें ,
शिव का तांडव आने दो!!
छोड़ो अब राम की आशा ,
लंका स्वयं जलाने दो!!
छोड़ो अब शास्त्रों की शिक्षायें ,
इनको शस्त्र उठाने दो!!

छोड़ो अब बाँसुरी की ताने ,
महाभारत स्वयं रचाने दो!!
छोड़ो अब दिये से आशा ,
ज्वाला स्वयं जलाने दो!!
छोड़ो अब शास्त्रों की बातें ,
इनको शस्त्र उठाने दो!!

छोड़ो दया, याचना ,करुणा,
इनको भाल उठाने दो!!
सीता ,सती ,सावित्री !
सबको काली रूप में आने दो!!
छोड़ो माली से आशायें,
बाग़ स्वयं खिलाने दो!
छोड़ो अब शास्त्रों की शिक्षायें ,
इनको शस्त्र उठाने दो!!
छोड़ो चूड़ी ,बिंदी ,पायल
त्रिपुंड इन्हें लगाने दो !
छोड़ो अब अग्नि का जौहर,
रण का साज सजाने दो!
छोड़ो पनघट गागर सागर,
पाषाण हाथ में आने दो!'
छोड़ो अब शास्त्रों की शिक्षायें
,
इनको शस्त्र उठाने दो!!
छोड़ो लक्ष्मण की रेखा,
कुटिया स्वयं बनाने दो !
साधुवेश के रावण को,
अब ख़ाली हाथ ही जाने दो !!
छोड़ो अब शास्त्रों की शिक्षायें ,
इनको शस्त्र उठाने दो!!
सारिका जागृति
सर्वाधिकार सुरक्षित
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

अपनी आदत पर नजर रखिए

आप खुद से ही अपनी हालत
पर नज़र रखिए
मुक़दमा किया है तो अदालत
पर नज़र रखिए
और भी हैं घर में माँबाप की
सलामती के लिए
आप तो समझदार हैं,सो दौलत
पर नज़र रखिए
जिसे चुना है आपने, आपका
दुश्मन न हो जाए
दिनरात उसकी बढ़ती ताकत
पर नज़र रखिए
जो गुज़र जाएँगे वो कभी पर
वापस नहीं आएँगे
जितनी भी मिली है हर मोहलत
पर नज़र रखिए
चाँद को चाहने से चाँद नहीं
मिल जाया करते हैं
किसी को चाहने से पहले
चाहत पर नज़र रखिए
पता नहीं चलता कब अर्श से
फर्श पे ले आती है
चाहे जैसी भी हों ,अपनी
आदत पर नज़र रखिए
सलिल सरोज
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

बेटी को पराया धन न कहना

बाबुल के बगिया की चिरैया हूं
एक दिन बिन पंख उड़ जाऊंगी।
बाबुल के घर आंगन को सूना कर
यादों की पोटली संग घर से
विदा हो जाऊंगी।

मन व्यथित कर देता ये कैसी
रीत जहां की?
बेटी को पराया कर देता ये
कैसी प्रीत पिता की?
लाड़ प्यार से पाला पोसा
आत्मनिर्भर बनाया
पराया धन कहके पल भर मे
पराया कर डाला।
आंखें रोई तो मन भी रोया होगा
मैया कैसे तुमने दिल को
समझाया होगा।

मुझे तो प्रथा समझकर निर्वाह दिया
अपनों से पराया करके पराए
संग बांध दिया।
बाबा तुम ही बताओ तुम बिन
कैसे रह पाऊंगी?
जब क्षण भर को अपनी आंखों
से ओझल नही करते थे।
मेरे अरमानों को अब कौन पूरा करेगा?
बेटी को तो अपने घर का
मेहमान बना दिया।
बाबा तुम्हारे प्यार को तरसुगी
मैया के आंचल की छांव को तड़पुगी।

बेटी हूं तुम्हारी बस यही
चाह है मेरी
बेटी ही कहना न पराया धन
कहना कभी।
मन व्यथित कर देता ये कैसी
रीत जहां की?
बेटी को पराया कर देता ये
कैसी प्रीत पिता की?
बाबुल के बगिया की चिरैया हूं
प्रियंका पांडेय त्रिपाठी
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

एक नजर

3 दर्जन विचाराधीन कैदियों को किया गया रिहा

उज्जैन । मध्यप्रदेश के उज्जैन की केन्द्रीय भैरवगढ जेल के 36 विचाराधीन कैदियों को अपराध स्वीकार करने पर उन्हें भविष्य में अपराध नहीं करने की समझाइश देते हुए रिहा कर दिया गया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कल यहां लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन बंदियों से संबंधित लगभग 70 प्रकरणों को पेश किया गया। इसमें से 30 प्रकरणों में 36 विचाराधीन कैदियों द्वारा अपराध स्वीकार कर लिये जाने के कारण उनके प्रकरणों को समाप्त किया गया और उनकी रिहाई के आदेश जारी किये गये। इन कैदियों को भविष्य में किसी भी प्रकार का अपराध नहीं करने की समझाइश दी गयी है। एन पी सिंह के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से यह लोक अदालत आयोजित की गयी।

यूपी के सभी जिलों का एक्सपोर्ट प्लान 30 नवम्बर तक जरूर तैयार हो जाए

यूपी के मुख्य सचिव राजेंद्र तिवारी ने दिए निर्देश, निर्यात बंधु की बैठक में मंथन

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ 23 अक्टूबर । मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में निर्यात बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, वित्त, एमएसएमई, ऊर्जा, वाणिज्य कर, पर्यावरण, कस्टम्स, सेन्ट्रल एक्साइज व सर्विस टैक्स, कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, पशुधन विकास, पर्यटन, मण्डी परिषद सहित सम्बन्धित विभागों के प्रदेश एवं भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद का अलग अलग एक्सपोर्ट प्लान 30 नवम्बर, 2020 तक अवश्य बन जाये। उन्होंने कहा कि एक्सपोर्ट प्लान गुड्स एवं सर्विसेज दोनों को सम्मिलित करते हुए तैयार किया जाये।

उन्होंने कहा कि डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट प्रमोशन कमेटियों का गठन सभी जनपदों में हो जाये तथा उनकी बैठकें भी कर ली जायें। इन बैठकों में स्थानीय स्तर की निर्यात एवं निर्यातकों से जुड़ी समस्याओं का तत्परता से एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराया जाये।

वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से जुड़े प्रदेश के विभिन्न जनपदों के निर्यातकों द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत अनुदान एवं वित्तीय सहायता प्रदान किये जाने अथवा उनमें वृद्धि किये जाने की मांग पर मुख्य सचिव ने विश्वास दिलाया

कि नई निर्यात नीति को अन्तिम रूप देते समय उनके सुझावों को संज्ञान में लिया जायेगा। बैठक में बताया गया कि ऑल इण्डिया कारपेट मैन्युफैक्चरर एक्सपोर्टर एसोसिएशन (एक्मा) भदोही की मांग पर कारपेट एक्सपोर्ट मार्ट भदोही को कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल को हैण्डओवर किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त एक्सपो मार्ट भदोही के समीप ही होटल निर्माण के लिए भूमि भी आरक्षित कर ली गयी है। वाराणसी एयरपोर्ट से भदोही कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने व सड़क के सुदृढ़ीकरण हेतु लोक निर्माण विभाग को निर्देश दे दिये गये हैं तथा उक्त कार्य शीघ्र पूरा हो जायेगा।

सहारनपुर स्थित वुड सीजनिंग प्लान्ट का संचालन ईपीसीएच को प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में बताया गया कि वुड सीजनिंग प्लान्ट एसाइड योजनान्तर्गत स्थापित किया गया था तथा इसके संचालन सम्बन्धी टेण्डर प्रोसेस हो गया है तथा अगले सप्ताह में फाइनल हो जायेगा।

कतिपय निर्यातकों द्वारा वैट रिफण्ड प्रक्रिया को आसान व ऑनलाइन बनाये जाने के सुझाव पर वाणिज्य कर विभाग के उपस्थित अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वैट रिफण्ड प्रक्रिया को आसान करने के लिए शतप्रतिशत ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू हो गयी है तथा 60 दिन के अन्दर मामलों के निस्तारण की समय सीमा निर्धारित है।

मुरादाबाद के कतिपय निर्यातकों द्वारा मुरादाबाद में फायर एन.ओ.सी. हेतु आवश्यक एक लाख लीटर की क्षमता के वाटर टैंक की अनिवार्यता समाप्त किये जाने की मांग पर बताया गया कि प्रकरण पर विचार किया जा रहा है तथा इस सम्बन्ध में शीघ्र निर्णय ले लिया जायेगा।

कतिपय निर्यातकों द्वारा एफएससी सर्टिफाइड लकड़ी की आवश्यकता को पूरी करने हेतु यू.पी. फारेस्ट कॉरपोरेशन के अतिरिक्त सामाजिक वानिकी अन्तर्गत उपलब्ध मैंगों वुड को भी एफ.एस.सी. सर्टिफाई कराया जाये ताकि लकड़ी की वर्तमान आवश्यकता को प्रदेश में उपलब्ध लकड़ी से ही पूरा किया जा सके, जिससे बड़े पैमाने पर कारीगरों को रोजगार मिलेगा साथ ही प्रदेश को बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भी प्राप्त होगी, की मांग पर अवगत कराया गया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश वन निगम द्वारा प्रदेश के 41 वन प्रभागों के लगभग 4.5 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र को प्रोग्राम फॉर द इंडोरसमेन्ट ऑफ फॉरेस्ट सर्टिफिकेट प्रमाणीकृत किया जा चुका है। पीईएफसी फॉरेस्ट स्टीवर्डशिप काउंसिल के समकक्ष एक अन्तर्राष्ट्रीय प्रमाणीकरण है।

थाना बिशेश्वरगंज परिसर में मिशन शक्ति नारी सुरक्षा नारी सम्मान पर किया गया जागरूक

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । बिशेश्वरगंज बिशेश्वरगंज थाना परिसर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चलाए जा रहे महिलाओं तथा बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु विशेष अभियान का शुभारंभ आज किया गया । मुख्यातिथि के रूप में विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लाक प्रमुख बीना राज मिश्रा उपस्थित रहे । सर्वप्रथम उपजिलाधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती ने नारी शक्ति और सशक्तिकरण पर विधिवत प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं के प्रति समाज में बढ़ती हुई असुरक्षा की भावना के प्रति लोगों को महिलाओ एवं बालिकाओं में स्वावलम्बन एवं सुरक्षा की दृस्टि से उचित कदम उठाये जाने की नितांत आवश्यकता है द्य महिलाओं के लिए चलाए गए इस अभियान को मिशन शक्ति का नाम दिया गया है यह अभियान 17 अक्टूबर 2020 से 25 अक्टूबर 2020 के मध्य महिला सुरक्षा सप्ताह के रूप में मनाया जाना है इसके अलावा उक्त अभियान 180 दिन तक चलाया जाएगा द्य उन्होंने बाल विवाह, भ्रूण हत्या पर समुचित

चर्चा परिचर्चा की । कार्यक्रम के उपरांत मुख्य अतिथि ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि मिशन शक्ति एक बहुत अच्छी पहल है इससे नारी शक्ति जागृत होगी और समाज में नारी का सम्मान बढ़ेगा, लड़कियों महिलाओं के लिए सरकार द्वारा कड़े कानून बनाये गए है ,बस जरूरत है उन्हें जागरूक होने की, किसी भी समस्या या घटना की सूचना तत्काल देनी चाहिए जिससे अराजकतत्वों का मनोबल प्रबल न हो । कार्यक्रम को ब्लाक प्रमुख बीनाराज मिश्रा, मंडल अध्यक्ष राजकुमार शुक्ल, शिक्षक कृष्ण मोहन शुक्ल ने भी संबोधित किया । कार्यक्रम में आये दीपक श्रीवास्तव व उनकी टीम ने रंगमंच के माध्यम से मिशन शक्ति नारी सुरक्षा नारी सम्मान पर नाटक प्रस्तुत कर जागरूकता का संदेश दिया ।अंत मे महिला आरक्षियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

औरैया के स्वामी विवेकानंद इंटर कालेज में चला महिला सशक्तिकरण जागृति अभियान

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

औरैया 23 अक्टूबर। उतर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे राज्य में महिला सशक्तिकरण जागृति अभियान चल रहा है। इसी क्रम में आज औरैया जिले के सहार कस्बे में स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज सहार की अध्यापिकाओं ममता शुक्ला और निर्मला झा नें कैंप लगाकर कस्बे की महिलाओं और बच्चियों को जागरुक किया। महिलाओं को सरकार द्वारा चलाये जा रहे इस मिशन की जानकारी दी, साथ ही सबको अपने हक बताने के साथ साथ महिलाओं की सुरक्षा के लिए चल रहे वूमेन हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी बताया। इस दौरान आसपास के क्षेत्र की महिलायें और स्कूल की छात्राएं मौजूद रहीं। गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में जागरुकता की बहुत कमी है, सरकार स्कूल और पुलिस थाने के स्तर पर हर महिला को जागरुक करने के लिए बड़े स्तर पर ये अभियान चला रही है। इस दौरान कार्यक्रम का सफल संचालन स्कूल के वरिष्ठ अध्यापक रामेंद्र कुशवाहा नें किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने स्कूली बच्चों को बांटे निःशुल्क स्वेटर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

प्रयागराज 23 अक्टूबर। शासन के मंशानुरूप जिला स्तरीय निःशुल्क स्वेटर वितरण कार्यक्रम पूर्व माध्यमिक विद्यालय मोहिद्दीनपुर के प्रांगण में मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी आशीष कुमार के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा परिषदीय विद्यालयों में अधिक से अधिक नामांकन एवं ठहराव हेतु शासन द्वारा पूर्व में दिए गए निःशुल्क पुस्तक, यूनिफार्म के बाद आने वाले सर्दी के बचाव के लिए ससमय बच्चों को निःशुल्क स्वेटर वितरण किया गया।

कार्यक्रम के आयोजक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय कुशवाहा ने बच्चों से कहा की अभी आप सब कोविड 19 के कारण ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। तथा भविष्य में जब विद्यालय खुले शत प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करायें तभी शासन की योजनायें सार्थक होंगी। खंड शिक्षा अधिकारी चाका डॉ संतोष कुमार यादव ने कहा कि आज से विकास खंड चाका के साथ जनपद के सभी ब्लाकों के प्रत्येक विद्यालय में स्वेटर वितरण की प्रक्रिया

प्रारंभ हो गई। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी चाका डॉ संतोष कुमार यादव एवं विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कमर सुल्ताना ने अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन शरद कुमार मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन प्राथमिक शिक्षक संघ चाका के अध्यक्ष अमर सिंह ने किया। इस अवसर पर राजेन्द्र कुशवाहा, बहादुर ब्लॉक से मनीष कुमार सिंह, चाका से शिवशंकर, विजयलक्ष्मी, रचना जैन, अनुजा सिंह, सुधा कन्नौजिया, नितिन कुमार, रंजना केशरी, गौरव गुप्ता, शीलवन्त यादव, एडीओ पंचायत श्याम लाल तिवारी, बीनू सिंह, एआरपी सुधीर पांडेय, अरविंद मिश्रा, ग्राम प्रधान सावित्री देवी, राखी सिंह, गरिमा आदि उपस्थित रहीं।

पुराने को बहुत आजमा लिया, अब नया विकल्प चुनने की बारीः मायावती

भभुआ, 23 अक्टूबर । बिहार विधानसभा में बड़े नेताओं की जनसभाओं का दौर जारी है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा प्रमुख मायावती ने भभुआ की सभा में विरोधियों पर जमकर निशाना साधा। वह ग्रैंड युनाइटेड सेक्युलर फ्रंट के समर्थन में प्रचार के लिए आई थीं। उन्होंने अपने भाषण में केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की विफलताओं को गिनाते हुए नया विकल्प चुनने की अपील की। कहा, तीनतीन बार राजद और एनडीए को जनता ने मौका दिया, लेकिन बेरोजगारी का आलम वही रहा। अब चुनाव के समय कोई 10 लाख तो कोई 19 लाख रोजगार देने के खोखले दावे कर रहा है। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि पहले की सरकारें गरीबी, बेरोजगारी और आरक्षण सहित सभी मुद्दों पर विफल रही हैं। उनके ग्रैंड युनाइटेड सेक्युलर फ्रंट की सरकार बनती है तो यूपी की तरह ही बिहार में सरकार चलेगी। हर तबके का विकास होगा।

डॉ सुलक्षणा को मिला गिना देवी स्मृति साहित्य सम्मान

रोहतक । बहलम्बा गांव की बेटी और अजायब गांव की बहू डॉ सुलक्षणा अहलावत को गुगनराम एजुकेशनल एण्ड सोशल वेलफेयर सोसायटी ने गिना देवी स्मृति सम्मान से सम्मानित किया। डॉ सुलक्षणा को यह सम्मान उनके हरियाणवी काव्य संग्रह मन का के ठिकाणा के लिए प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के कारण सोसायटी ने कार्यक्रम नहीं किया। सोसायटी द्वारा उन्हें सम्मान पत्र और ग्यारह सौ ग्यारह रुपये का चेक डाक द्वारा भेजा गया। इस सम्मान के लिए उन्होंने सोसायटी के सचिव एवं अधिवक्ता जिला न्यायालय भिवानी डॉ नरेश सिहाग और समस्त कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया। डॉ सुलक्षणा शिक्षाविद, कवयित्री एवं समाज सेविका के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। उनकी हिंदी और हरियाणवी रचनाएं निरंतर सौ से अधिक अखबार, पत्र पत्रिकाओं और

वेबसाइट पर प्रकाशित होती रहती हैं। अब तक उन्हें लगभग 70 बार अलग अलग संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। डॉ सुलक्षणा को सम्मान मिलने पर सरपँच समुंदर सिंह, विकाश कुमार, रामदिया, कश्मीर शर्मा, नन्दकिशोर, अमित सिंह, राहुल और राकेश अहलावत ने उन्हें बधाई दी।

पयागपुर थाना परिसर में सम्पन्न हुआ मिशन नारी शक्ति कार्यक्रम का आयोजन

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । पयागपुर शुक्रवार को स्थानीय थाने में महिलाओं की सुरक्षा आत्म निर्भरता और सामाजिक , राजनीतिक और आर्थिक रूप से समान स्तर दिलाने के उद्देश्य से आयोजित मिशन शक्ति कार्यक्रम का मुख्य अतिथि विधायक सुभाष त्रिपाठी ने फीता काटकर किया।इस अवसर पर एस डी एम के पी भारती ,सी ओ नरेश सिंह, तहसील दार मुकेश शर्मा व विधायक प्रतिनिधि निशंक त्रिपाठी भी शामिल रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि त्रिपाठी ने कहा कि समाज मे महिला और पुरुष दोनों समान रूप से आत्म निर्भर हो ,लिंग भेद समाप्त हो ,और महिलाएं पूर्ण आत्म निर्भर हो तथा चौखट से चौपाल तक सुरक्षा का अनुभव होना चाहिए।इसी के दृष्टि गत मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी द्वारा शारदीय नवरात्रि से बासंतिक नवरात्रि तक 6 माह का मिशन शक्ति अभियान बीते 17 अक्टूबर को शुरू कराया है।एस डी एम भारती ने भारतीय परंपरा यंत्र नारियस्तु पूजयन्ते रमन्ते तंत्र देवता को याद दिलाते हुए महिलाओं के उत्थान में परिवार और समाज के योगदान की आवश्यकता बतायी।कार्यक्रम को बिधायक प्रतिनिधि निशंक त्रिपाठी,जिला पंचायत सदस्य सुषमा चौधरी,प्राचार्य मामराज बालिका इंटर कॉलेज वर्षा रानी गौतम ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम का संचालन थानाध्यक्ष मुकेश सिंह ने किया।इस अवसर पर प्रधान विदुर शुक्ला,बिंदेश्वरी दूबे ,राम आशीष ,सत्यनारायण तिवारी, बबलू शुक्ला, संस्कृत बिद्यालय शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण मोहन शुक्ल,प्रधान हरैया संतोष तिवारी, भाजपा मीडिया प्रभारी अभिषेक शुक्ल प्रधान रुकनापुर कपीश सिंह,सुधीश जायसवाल व पंकज शुक्ला सहित ,आंगन बाड़ी आंगन बाड़ी कार्यकत्रियां ,बालिकाएं व क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

कोरोना महामारी में मास्क सुरक्षा कवच के समान, जरूर करें इस्तेमालः एनडीआरएफ

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

बिहटा (पटना) । स्थित 9वीं बटालियन एनडीआरएफ द्वारा कोरोना वायरस महामारी से बचाव विषय पर बिहार और झारखण्ड राज्यों में जन जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत एनडीआरएफ के कार्मिकों द्वारा समुदाय के सभी लोगों जिसमें महिलायें, युवा, मजदूर, छात्र आदि को कोरोना से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा उन्हें कोरोना महामारी से बचाव हेतु शपथ भी दिलाया जा रहा है। कमान्डेंट विजय सिन्हा ने बताया कि शुक्रवार को इस अभियान के तहत 9वीं बटालियन एनडीआरएफ के बचावकर्मियों ने डिग्री कॉलेज सुपौल, पटना सिटी और झारखण्ड के राजधानी राँची में कोरोना वायरस महामारी से बचाव विषय पर जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया तथा लोगों को शपथ दिलाया। कमान्डेंट विजय सिन्हा ने लोगों को सलाह दिया कि वर्तमान कोरोना महामारी के दौरान मास्क एक सुरक्षा कवच के समान है। घर से निकलते समय मास्क का इस्तेमाल जरूर करें।

जायसवाल क्लब के प्रयास से परिणय सूत्र में बंधे विधवा पूनम व नीरज

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। आधुनिक युग में भी समाज में विधवा विवाह को लेकर लोग संकीर्ण मानसिकता के शिकार हैं। लेकिन इस जाल से निकल कर समाज को नई राह दिखाने का प्रयास शुक्रवार को जायसवाल क्लब ने किया। या यूं कहे दकियानूसी, रुढीवादी समाज में एक मिसाल कायम करते हुए जायसवाल क्लब के अथक प्रयास से नीरज जायसवाल एवं की विधवा पूनम जायसवाल दांपत्य सूत्र में बंधे।

दरअसल खोदई चैकी गोदौलिया, वाराणसी के नीरज जायसवाल पुत्र स्वर्गी उमेश चंद्र जायसवाल का पांच साल पूर्व तलाक यानी डाईवोर्स हो गया था। दूसरी ओर बाबतपुर मंगारी, वाराणसी की पूनम जायसवाल पुत्री दुर्गा प्रसाद जायसवाल के पति की भी मौत हो चुकी थी। दोनों के खाली जीवन में खुशी भरने का प्रयास जायसवाल क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज जायसवाल की अगुवाई में समाज के लोगों ने किया। उनके प्रयास से पूनम व नीरज का ब्याह जायसवाल क्जब के सभी सदस्यों की उपस्थिति में सर्व सम्मति से संपन्न हुआ। शहर के पचकोसी रोड स्थित श्रीराम डिग्री कालेज, परिसर में पूरे शानओशौकत

के साथ विधिवत धार्मिक रीतिरिवाजों के तहत दोनों परिणय सूत्र में बंधे।

जायसवाल क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने बताया कि विधवा विवाह समाज में कलंक के समान माना जाता है। पुरानी रीति रिवाजों को हटाकर परिवर्तन के इस युग में संगठन द्वारा उठाया गया कदम समाज को नई दिशा देगी। मनोज जायसवाल ने कहा कि अब वह जमाना नहीं रहा जब कोई महिला पति की मौत के बाद अपना पूरा जीवन सफेद साड़ी पहनकर और घर के किसी कोने में दुखदर्द झेलते हुए गुजार दिया करती थीं। एक तरह से विधवाओं को नारकीय जीवन जीना पड़ता था। ऐसी विधवाओं का जीवन फिर से संवारने और उनकी शादी करके उनके जीवन में नई खुशियां लाने का बीड़ा उन्होंने उठाया है। समयसमय पर विधवाओं के लिए परिचय सम्मेलन का भी आयोजन किया जाता रहा है और यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। उन्हें खुशी है कि इस तरह के आयोजन करके विधवाओं का घर बसाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे है। रजिस्टार पंजीयन मंत्री स्वतंत्र प्रभार रवीन्द्र जायसवाल ने इसे समाज का मिसाल बताते हुए इस कदम की सराहना की। जायसवाल क्लब इसके लिए बधाई की पात्र है कि वह विधवा, विधुर के जीवन में नई खुशियां भरने और उन्हें फिर से अपने नए जीवन की शुरुआत कराने के लिए लगातार प्रयासरत है।

ईज ऑफ डुइंग बिजनेस अन्तर्गत सुधारों के सम्बन्ध में मुख्य सचिव ने की समीक्षा बैठक

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ 23 अक्टूबर। ईज ऑफ डुइंग बिजनेस अन्तर्गत सुधारों के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण बैठक मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें सभी प्रमुख विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अपने सम्बोधन में मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि ईज ऑफ डुइंग बिजनेस अन्तर्गत एनओसी एवं लाइसेंसिंग के कार्यों एवं सेवाओं को सुविधाजनक बनाने हेतु ऑनलाइन सिस्टम डेवलप किया जा रहा है। सभी विभागों को अपने कार्यों एवं सेवाओं को ऑनलाइन करते समय यह ध्यान में रखना होगा कि सिस्टम यूजर फ्रेण्डली एवं स्मूथ हो। इसको जितना अधिक आसान बनाया जायेगा, लोगों के लिए उतना ही अधिक लाभकारी होगा। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन फॉर्मेट में कौन से डॉक्यूमेन्ट्स अपलोड किये जाने हैं, फोटोग्राफ यदि आवश्यक हो तो अधिकतम कितने केबी की हो?, स्वप्रमाणित अभिलेख मान्य हैं या प्रमाणित आदि का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। इसके अतिरिक्त सिग्नेचर /डिजिटल सिग्नेचर की स्थिति भी स्पष्ट होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि

यूजर का प्रमाणीकरण उसके मोबाइल एवं ईमेल पर ओटीपी के माध्यम से किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन सिस्टम में चेकलिस्ट और प्रोसीजर की पूरी जानकारी भी उपलब्ध होनी चाहिए। ऑनलाइन सिस्टम का एक स्टैण्डर्ड फॉर्मेट होना चाहिए, जो कि सभी विभागों पर लागू हो और सम्बन्धित विभाग आवश्यकतानुसार उसमें संशोधन कर सकें। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन सिस्टम ऐसा डेवलप हो जो कि सभी विभागों के लिए लगभग एक जैसा तथा यूजर फ्रेण्डली रहे। उन्होंने सभी विभागों से ईज ऑफ डुइंग बिजनेस अन्तर्गत सुधारों के लिए निर्धारित टाइम लाइन का कड़ाई से अनुपालन करने की अपेक्षा की। उन्होंने सुधारों की उक्त प्रक्रिया में जनहित गारण्टी अधिनियम के अन्तर्गत निर्धारित टाइम लाइन को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त निवेशकों की सुविधा के लिए निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से यूनीफाइड पेमेन्ट को भी ऑनलाइन सिस्टम में समाहित करने के निर्देश दिये गये। इससे पूर्व बैठक में फिल्म बन्धु, शहरी विकास, गृह विभाग, सहकारिता विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति, न्याय, राजस्व, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, आवास, पर्यटन आदि विभागों के कार्यों एवं सेवाओं को ऑनलाइन एवं यूजर फ्रेण्डली बनाने के सम्बन्ध में अद्यावधिक प्रगति की समीक्षा की गयी। बैठक में बताया गया कि एफएसडीए 12, जियोलॉजी एण्ड माइन्स 01, पिकप 03, बेसिक शिक्षा 01, कृषि 02, लोक निर्माण विभाग 03, रजिस्ट्रार फर्म्स सोसायटीज 08, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन 05, परिवहन 01, उद्योग बन्धु 28, यूपी फायर सर्विस 05, यूपीपीसीबी 23, यूपीपीसीएल 08, यूपीसीडा 08, फिल्म बन्धु *01, शहरी विकास 18, न्याय विभाग 02, राजस्व 07, कॉमर्शियल टैक्स 16, इलेक्ट्रिसिटी सेफ्टी 05, एक्साइज 17, हाउसिंग 15, श्रम 50, माध्यमिक शिक्षा 01 कार्यों व सेवाओं को ऑनलाइन कर पूर्णतया अनुपालन कर दिया गया है।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

वूमेन एक्सप्रेस

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव श्री तरुण चुग का बेबाकी भरा पूरा इंटरव्यू आप हमारी बेवसाइट पर भी पढ़ सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदी का सबसे बड़ा कृषि सुधार कानून देश में लाए

प्रश्नः मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है, विपक्षी विरोध कर रहे हैं ?

उत्तर : नरेंद्र मोदी जी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में जो काम किसानों के लिए फैसला किया है, वो केवल ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि आने वाले समय में भारत के भविष्य के लिए एक सार्थक कदम है। ये इस शताब्दी का सबसे बड़ा किसान सुधार रिफोम है, जिससे किसान व किसानी खुशहाल होगी, किसान अपने जीवन को खुद सुधार सकेगा। प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने अपने 6 वर्ष के कार्यकाल में किसान की मिट्टी से लेकर, किसान की मिट्टी की जांच, किसान की मिट्टी को क्या चाहिएए उसकी योजनाए लगभग 11 करोड़ खेतों की मिट्टी की जांच की गई है। फसल बेचने की चिंता से मुक्ति दिलाने के लिए, बुआई से पहले फसल के उचित दाम तय करना, जैसे महत्वपूर्ण कदम पिछले कुछ दिनों में उठाए गए हैं, जिसके माध्यम से आज किसान आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर बनाने के लिए इजराईल की किसानी के बराबर भारत की किसानी को खड़ा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने 9 अगस्त, 2017 को संसद के सदन में यह संकल्प लिया था कि किसानों की आमदन को दोगुना किया जाएगा। इस संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए दिन रात प्रधानमंत्री जी काम कर रहे हैं।

प्रश्न : विपक्षी सवाल उठा रहे हैं कि एमएसपी खत्म हो जाएगा?

उत्तर : आपने एमएसपी की बात की है, एमएसपी को ऑटोमेटिक मोड पर लाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2018 में पंजाब की धरती पर खड़े होकर शुरू किया था और स्वामीनाथन रिपोर्ट को किसान के हित में लागू करने का नीतिगत फैसला लिया था। सरकार ने पहले ही कह दिया कि एमएसपी है और आगे भी जारी रहेगा।

प्रश्नः कांग्रेस आप पर आरोप लगा रही है कि भाजपा किसान विरोधी है। नरेंद्र मोदी कॉरपोरेट घरानों के लिए काम कर रहे हैं?

उत्तर राहुल गांधी जी पार्ट टाइम राजनेता हैं, जिनके लिए सेवा नहीं अपितू साधनों का उपभोगए ऐसो आराम विद सेवन स्टार लाईफ स्टाइल महत्वपूर्ण है। उनको याद दिलाना चाहता हूं कि कांग्रेस शासनकाल में जब उनकी माताजी सोनिया गांधी देश की सरकार को कठपुतली की तरह चलाती थी, तब 2009 और 2010 का कृषि मंत्रालय का कुल बजट 12 हजार करोड़ रुपए होता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में आज कृषि मंत्रालय का बजट 1 लाख 34 हजार करोड़ रुपए का है। ये नरेंद्र मोदी जी की सरकार की किसानों के प्रति वचनबद्धता है और उनके किए हुए कार्य आज बोल रहे हैं। जिनके पास कुछ कहने को नहीं है, वो ऐसी छोटी, ओछी राजनीति कर देश का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। देश की जनता उनका असली सच जानती है।

राहुल गांधी पार्ट टाइम राजनेता हैं, उनके लिए सेवा नहीं, ऐसो आराम महत्वपूर्ण है

- **पंजाब में भाजपा की पहली सरकार फरवरी 2022 में बनेगी।**
- **भाजपा का सीधा मुकाबला कांग्रेस पार्टी के साथ होगा, बाकी पार्टियां पीछे।**
- **किसानों की जिंदगी खुशहाल बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का ऐतिहासिक कदम।**
- **अकाली दल के पास कई किसान नेता थे, लेकिन मंत्री हरसिमरत कौर को बनवाया।**

प्रश्न : मोदी सरकार में भ्रष्टाचार बढ़ा है, ऐसा राहुल गांधी आरोप लगाते हैं?

उत्तर : मैं राहुल गांधी जी से पूछना चाहता हूं कि आपके पिता राजीव गांधी ने अपने प्रधानमंत्री काल में भाषण में कहा था कि मैं 100 रुपए दिल्ली से भेजता हूं और किसानों के पास 14 रुपए पहुंचते हैं। ये उनके समय में भ्रष्टाचार की हालत थी, जबकि आज 192 हजार करोड़ रुपए सीधे किसान के डीबीटी के माध्यम से पहुंच चुके हैं।

प्रश्न : किसानों की जिंदगी खुशहाल बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की क्या योजना है?

उत्तर : मोदी सरकार ने किसानों के समुह को बढ़ाने के लिएए किसानों की क्रयविक्रय शक्ति एवं बारगेनिंग की शक्ति को बढ़ाने के लिए 10 हजार नए एफपीओ बनाने का लक्ष्य रखा है। उसके लिए 1850 करोड़ रुपए का सपोर्ट उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से देने की योजना बनाई है।

किसान समृद्ध हो उसके लिए आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत एक लाख करोड़ रुपए का पैकेज, किसान खुशहाल हो उसके लिए, फार्मर इंस्फ्रास्ट्रक्चर के लिए, किसान आधारभूत ढांचा विकसित करने के लिए, एक लाख करोड़ रुपए का पैकेज रखा गया है। फिशरी के लिए 20 हजार करोड़ रुपए, पशुपालन के लिए 15 हजार करोड़ रुपए, हरबल खेती के लिए 4 हजार करोड़ रुपए रखे गए हैं, जबकि कांग्रेस के शासन में इन मदों में कोई काम ही नहीं हुआ था।

प्रश्न : स्वामीनाथन कमीशन की रिपोर्ट ना लागू करने का आरोप लग रहा है या उसे लागू करने की मांग हो रही है ?

उत्तरः मेरे कांग्रेस के मित्र कैप्टन अमरेंदर सिंह व सो कॉल्ड कांग्रेस के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार राहुल गांधी जी झूठ, फरेब और षड्यंत्र की राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस की सरकार 10 साल तक सत्ता में रही, इन्होंने स्वामीनाथन कमीशन की रिपोर्ट को अपने पांव के नीचे दबा कर रखा। हमारी सरकार के मुखिया नरेंद्र मोदी जी ने 2018 को पंजाब के मलौट में खड़े होकर किसानों के मध्य घोषणा की थी। स्वामीनाथन कमीशन की रिपोर्ट को मानने का नीतिगत फैसला भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है।

अब खरीद ऑटोमेटिक मोड पर होगी और एमएसपी का रेट ऑटोमेटिक मोड पर होगा। राहुल गांधी जी आपको जवाब देना होगा कि आपने 10 साल तक व उससे पीछे भी लगभग 40 साल के शासन में किसानों व किसानी की चिंता क्यों नहीं की।

प्रश्न : राहुल गांधी ने पंजाब दौरे में कहा था कि अगर केंद्र में हमारी सरकार आई तो किसान बिलों को फाड़ देंगे?

उत्तर : राहुल गांधी जी पंजाब के अंदर केवल सैर सपाटे के लिए गए थे। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उनकी ही सरकारए उनकी ही पार्टी ने 9 जनवरी, 2017 को पंजाब का घोषण पत्र जारी किया था, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी उपस्थित थे और उसमें कांग्रेस ने 90 हजार करोड़ रुपए किसानी कर्ज को माफ करने की तथा प्रति एकड़ मुआवजा देने की घोषण की थी। अब कांग्रेस की सरकार को आए 4 साल बीत चुके हैं, अभी तक वो वादा वफा नहीं हुआ है, पर 400 से ज्यादा किसान आत्महत्या कर चुके हैं।

आप अगर पंजाब में सचमुच किसानों के लिए कुछ करने आए थे, तो उन आत्महत्या किए हुए किसानों की विधवाओं के घरों का दरवाजा तो खटखटाया होता। पर बड़े दुख की बात है कि राहुल गांधी जी और कैप्टन अमरेंद्र सिंह जी के पास उनकी सरकार की वादा. खिलाफी के कारण आत्महत्या किए 400 से ज्यादा किसानों को सुनने के लिए समय नहीं है। यही नहीं, कुछ दिनों पहले नकली, जहरीली कांग्रेस द्वारा स्थापित माफिया द्वारा बेची गई शराब के कारण मारे गए 124 के करीब दलित भाईयों की मौत पर राहुल गांधी ने एक ट्विट तक नहीं किया था। यह राहुल गांधी और कैप्टन अमरेंदर सिंह का दोहरा चेहरा दर्शाता है।

प्रश्न : शिरोमणि अकाली दल शुरू से इस बिल का समर्थन करता रहा है। कई बार प्रेस कांफ्रेंस भी की, लेकिन अचानक संसद में विरोध करने लगे, ऐसा क्यों?

उत्तर : दुर्भाग्य है कि जिन्होंने हमारे साथ बैठकर किसान रिफोम का इतना बड़ा बिल कैबिनेट में पास किया, आज वो इसका विरोध कर रहे हैं। सुखबीर सिंह कह रहे हैं कि मुझे पिछले 6 वर्षों में सरकार के क्या निर्णय हुए, उसकी जानकारी नहीं है, हम से पूछा नहीं गया।

सुखबीर सिंह जी 26 मई, 2014 के बाद नरेंद्र मोदी की सरकार का हर निर्णय कैबिनेट में हुआ है और हर कैबिनेट में आपकी पत्नी हरसिमरत कौर बादल उपस्थित रही हैं। अब अगर आपकी आपको सरकार के निर्णयों के बारे में नहीं बताती तो इसके लिए भाजपा जिम्मेदार नहीं है, यह एक पति और पत्नी के मध्य का विषय है।

प्रश्न : अकाली दल आरोप लगा रहा है भाजपा किसान विरोधी और लोकतंत्र विरोधी है?

उत्तर : मैं सुखबीर सिंह जी को याद दिलाना चाहूंगा कि 26 मई, 2014 को जब मोदी सरकार बनी थी, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अकाली दल से सरकार में मंत्री बनाने के लिए एक प्रतिनिधि मांगा था। उस समय सदन में किसान नेता सरदार सुखदेव सिंह ढींडसा, किसान नेता बलविंदर सिंह भुदंड, किसान नेता जत्थेदार प्रेम सिंह चंदुमाजरा व किसान नेता रणजीत सिंह ब्रह्मपुरा भी सांसद थे, पर तथाकथित किसानों की सबसे बड़ी पार्टी के नेता सुखबीर सिंह बादल ने किसी किसान नेता को प्रतिनिधि भेजने की बजाए कॉरपोरेट घराने की बेटी श्रीमती हरसिमरत कौर बादल मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए भेजा। बाद में वह केंद्रीय मंत्री बनी। यह तो देश और उनकी पार्टी खुद देख रही है कि कौन किसान विरोधी है।

प्रश्न : पंजाब में 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी अलग लड़ेगी या गठजोड़ होगा ?

उत्तर : भारतीय जनता पार्टी किसानों की पार्टी है। किसानों, गरीबों, वंचितों की पार्टी है। भाजपा ने 1992 तक अकेले चुनाव लड़ा था और 1992 के विधानसभा चुनाव में पार्टी 64 को सीटें लडने पर 16.08 प्रतिशत वोट शेयर मिला था। अब हम 117 सीटों पर लडने जा रहे हैंए ये वोट प्रतिशत लगभग 30 प्रतिशत बनता है। अब हमारे पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा विश्व स्तरीयए निर्णय लेने वाला, गरीबों, वंचितों व किसानों के लिए लड़ाई लडने वाला नेता है। निश्चित रूप से भाजपा 117 सीटें लड़ेगी। साथ ही पंजाब, पंजाबीयत और पंजाबी भाईचारे की रक्षा करने वाला, वंचितों, गरीबों, किसानों व युवाओं के लिए काम करने वाली, महाराज रणजीत सिंह की शासन व्यवस्था को आदर्श मानकर चलने वाली, पंजाबी की भाजपा की पहली सरकार फरवरी 2022 में बनने जा रही है।

प्रश्न : पंजाब में 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला किस पार्टी के साथ होगा। कांग्रेस, आप या अकाली दल के साथ ?

उत्तर : 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस के मध्य मुकाबला होगा, बाकी सब पार्टियां पिछड़ चुकी हैं। 3.4 नंबर की लड़ाई लड़ रही हैं। जनता बदलाव चाहती है। भाजपा शासन व्यवस्था में बदलाव, गरीब, वंचित और किसानों को मध्य में रखकर योजनाएं बनाएंगी, जिसके अंदर पंजाब के सभी उपभोक्ता को 5 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली मिलेगी और नशें के हैंडलर को नहीं, हम नशों के किंगप्रिंस को जेल की सलाखों के पीछे भेजेंगे। अमन, शान व कानून व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा।

प्रश्न : पंजाब में चर्चा है कि अकाली दल से बागी होकर नई पार्टी बनाने वालों से भाजपा गठबंधन कर सकती है?

उत्तर : 2017 में जिस अकाली दल के साथ मिलकर हमने चुनाव लड़ा था, उसमें से दो अकाली दल पहले ही निकल चुके हैं। इसमें से एक है सरदार रणजीत सिंह ब्रह्मपुरा की पाटी और दूसरा सरदार सुखदेव सिंह ढींडसा की पार्टी। भाजपा अपने बल पर, जनता के आशीर्वाद से सरकार बनाएगी, जो पंजाब के लोगों की इच्छाओं को पूर्ण करेगी।

प्रश्न : क्या नवजोत सिंह सिद्धू भाजपा में शामिल हो रहे हैं?

उत्तर : भाजपा में बहुत लोग शामिल होना चाहते हैं। सत्ताधारी पार्टी के मुखिया के दांये.बांये वाले भी और मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखने वाले नेताओं के दांयेबांये वाले भी भाजपा में शामिल होना चाहते हैं। समय आने दीजिए उनके नाम के खुलासे भी करेंगे और उनको शामिल करके पंजाब की राजनीति को एक नई दिशा भी देंगे। भाजपा की नीति और नियत एक हैए सबका साथ, सबका विकास। बाकी रही बात नवजोत सिंह सिद्धू की तो आप उनसे ही पुछिए उनकी योजना क्या है। उनकी श्रीमती हर 15 दिन बाद एक बयान जारी कर देती हैं कि वह भाजपा में जाना चाहती हैं। बाकी कांग्रेस में तो उनके मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री या प्रदेश अध्यक्ष बनने की शहनाईयां बज रही हैं, आप उनके कांग्रेस छोडने की बात कर रहे हैं।

प्रश्न : सिक्खों की सर्वोच्च संस्था एसजीपीसी में 2016 से चुनाव टल रहा था, अचानक बादल दल के अलग होते ही केंद्र सरकार एक्टिव हो गई। क्या भाजपा धार्मिक सियासत में दखल देगी?

उत्तर : ये बात ठीक है कि पिछले 10 वर्षों से शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एसजीपीसीद्ध का चुनाव नहीं हुआ। लेकिन, भारतीय जनता पार्टी का इन चुनावों के साथ कोई लेना देना नहीं है। न भाजपा गुरूद्वारों के प्रबंधन का चुनाव लड़ती है, ना ही किसी की सपोर्ट करती है। ये पूरी तरह से गुरूद्वारों के प्रबंध एवं उनकी कमेटी के चुनाव हैं। भाजपा शामिल नहीं होगी।

पंजाब के अमृतसर से उठकर चंडीगढ़ होते हुए भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने वाले नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुग भाजपा के कद्दावर नेताओं की कतार में शामिल हो गए हैं। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों एवं इस बीच हुए विधानसभा चुनावों में वह पर्दे के पीछे रहते हुए संगठन की मजबूती के लिए काम करते रहे हैं। उन्होंने पूर्व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह का वॉर रूम भी बड़ी कुशलता से संभाला और अच्छे नतीजे पार्टी को मिले। उनसे दुनिया के पहले महिलाओं के एकमात्र दैनिक समाचार पत्र वूमेन एक्सप्रेस की चीफ एडिटर खुशबू पाण्डेय ने खास बातचीत की। पेश है बातचीत के प्रमुख अंश...

विशेष साक्षात्कार
वूमेन एक्सप्रेस

"मोदी सरकार ने किसानो की क्रयविक्रय एवं मोलभाव की शक्ति को बढ़ाने के लिए 10 हजार नए एफपीओ बनाने का लक्ष्य रखा है।"

तरुण चुग
राष्ट्रीय महासचिव, भाजपा

प्रश्न पंजाब के मुख्यमंत्री कहते हैं कि उनकी सरकार नरेंद्र मोदी के बिलों को अपनी विधानसभा में रोकेंगे?

उत्तर : किसानों से प्रतिवर्ष लगभग 35 सौ करोड़ रूपए टैक्स में रूप में उगाने वाले कैप्टन अमरेंदर सिंह जी अगर इस सदी का सबसे बड़ा वादा खिलाफी का अवार्ड होगा तो, वो उनको मिलना चाहिए, जिन्होंने अपने मेनिफेस्टो में एपीएमसी एक्ट में बदलाव की बात कही थी, सरकार बनते ही वह मुकर गए। अब जब केंद्र की मोदी सरकार कृषि बिलों में कुछ बदलाव कर दिया तो इसका विरोध कर रहे हैं। पंजाब सरकार एवं खुद कैप्टन चाहते ही नहीं हैं कि गरीब किसानों का भला हो, यही कारण है कि वह विरोध करवा रहे हैं।

प्रश्न राहुल गांधी ने सिक्खों के साथ इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के साथ अच्छे संबंध होने की बात कही थी, कितनी सच्चाई है ?

उत्तर राहुल गांधी जीए जिस गांधी वंश ने 1984 के सिख कत्लोगारत को संरक्षण दिया, संचालित किया, इसमें शामिल कातिल नेताओं को महिमामंडित किया, पालाए पोशाए संरक्षण दिया, श्री हरिमंदिर साहिब पर टैंक चढ़ा दिए, उनके मुख से ऐसे शब्द अच्छे नहीं लगते। उनके मुंह से इतना बड़ा झूठ अच्छा नहीं लगता। 1984 के सिख कत्लोगारत की एफआईआर की फाइलें 30 वर्षों तक टू.कोर्ट नहीं हो पाई।

2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी जी ने एसआईटी बनाई। जिसकी बदौलत आज सज्जन कुमार जेल में है, लेकिन आज भी वो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। 1984 सिख दंगों पर बड़बोले बयान देने वाले, जगदीश टाइटलर भी आज कांग्रेस के नेता के रूप में शोभनीय हैं। जिस व्यक्ति पर गुरूद्वारों को जलाने के बारे में, चश्मदीद गवाह द्वारा अदालत में बयान दिया हो, उस कमलनाथ को सुशोभित व महिमामंडित करके मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जाता है और वो भी आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। क्या राहुल गांधी जी ये सच नहीं है कि जिन्होंने सिखों के गलों में टायर डाले, उनको जिंदा जलाया, गुरूद्वारे जला दिए, चुन चुन कर सिखों की दुकाने लुटी गई, जलाई गई, सिखों के शिक्षण संस्थान जला दिए गए। ऐसे लोगों को कांग्रेस 30 वर्ष तक अपने आंचल में छिपा कर पालती रही, महिमामंडित करती रही, पद प्रतिष्ठा करती रही।